राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार 20 अगस्त 2024 वर्ष-7,अंक-207 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

राम मंदिर में दर्शन के लिए बनेगा पास

अयोध्या । श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट राम मंदिर रामलला के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को होने वाली असुविधा को दूर करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में श्रद्धालुओं के लिए ट्रस्ट की तरफ से नई सुविधा को शुरू किया गया है। राम मंदिर में वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं को विशेष सुविधा शुरू की गई है जिसमें 70 और उससे अधिक की उम्र वाले वरिष्ठ नागरिक और लगभग साल भर के बच्चे को साथ लिए महिलाएं सुगम दर्शन पास बनावा सकेंगे। उन्हें ट्रस्ट से अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी सीधे आधार कार्ड दिखाकर काउंटर से सुगम दर्शन पास बनवा सकेंगे। आपको बता दें कि भीड़ में लगी लंबी लाइन के बीच बुजुर्गों और छोटे बच्चों के साथ महिलाओं को दर्शन करने में असुविधा हो रही थी जिसको लेकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने नई व्यवस्था शुरू की है। प्राण प्रतिष्ठा के बाद से रामलला के दर्शनार्थियों के लिए लगातार सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इसी क्रम में वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के लिए ट्रस्ट की ओर से विशेष सुविधा शुरू की गई है। वरिष्ठ नागरिक और महिलाएं अपने एक सहयोगी सहित बिना ट्रस्ट के अनुमोदन के सुगम पास बनवा सकेंगे। इसके लिए काउंटर पर आधार कार्ड दिखाना होगा, 10 मिनट के भीतर पास उन्हें उपलब्ध करा दिया जाएगा। यदि उन्हें व्हीलचेयर की आवश्यकता होगी तो वह भी निशुल्क प्रदान की जाएगी।

उपराष्ट्रपति ने रक्षा बंधन के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रक्षा बंधन के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। एक्स पर एक पोस्ट में उपराष्ट्रपति ने कहा रक्षाबंधन के पावन पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएं! यह भाई-बहनों के बीच पवित्र बंधन का उत्सव है, तथा यह एक-दूसरे को समर्थन देने और एक-दूसरे का ध्यान रखने की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। इस शुभ अवसर पर, आइए हम महिलाओं की गरिमा और सम्मान को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हों, तथा ऐसा वातावरण बनाएं जहां वे आगे बढ़ सकें और अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग कर सकें।

मुरुगानंदम होंगे तमिलनाडु के नए मुख्य सचिव

चेन्नई। वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी एन. मुरुगानंदम को तमिलनाडु सरकार ने राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। मुरुगानंदम ने सोमवार को निवर्तमान शिव दास मीना का स्थान लिया है। वहीं श्री मीना को तमिलनाडु रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सरकार ने इस आशय का आदेश कल रविवार रात को जारी किया था, जिसके बाद मुरुगानंदम ने सोमवार को नए मुख्य सचिव का पदभार ग्रहण किया है। मुख्य सचिव के तौर पर नियुक्ति से पहले मुरुगानंदम ने मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव/सचिव- प्रथम के तौर पर अहम जिम्मेदारी निभाई है। इसके अतिरिक्त नव निर्मित पद पर सरकार ने थूथुकुडी जिला कलेक्टर जी. लक्ष्मीपति को एक वर्ष की अवधि के लिए मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव के रूप में नियुक्त किया है। वहीं सार्वजनिक पुस्तकालयों के निदेशक के. इलम्बावथ को स्थानांतरित करते हुए थूथुकुडी जिला कलेक्टर के रूप में तैनात किया है।

समुद्र में पांच स्वयंभू शिवलिंग, ज्वार भाटे से शिवलिंग का अभिषेक

भावनगर । गुजरात के भावनगर स्थित समुद्री तट मे समुद्र के 1 किलोमीटर अंदर निष्कलंक महादेव का मंदिर अरब सागर में स्थित है। हजारों वर्ष से यह मंदिर पानी की लहरों के बीच में पूरी तरह से सुरक्षित है। श्रद्धालु जब लहरें उतार पर होती हैं। तब पानी पर चलकर मंदिर के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। मंदिर एक चबूतरे पर स्थित है। यहां मान्यता है,समुद्र में पांच स्वयंभू शिवलिंग है। इनके साथ नंदी की भी स्थापना की गई है। समुद्र में जब ज्वार उठता है। तब मंदिर पूरी तरह से डूब जाते हैं। मंदिर की ध्वजा से मंदिर होने का एहसास होता है। जब समुद्र में लहरें उतार पर होती हैं। तब मंदिर तक पहुंचा जा सकता है। श्रद्धालु मंदिर में पहुंचकर शिवलिंग के दर्शन करते हैं। सबसे आश्चर्यजनक बात यह है, यह मंदिर हजारों साल पुराना है। इसके बाद भी इस मंदिर मैं कभी कोई नुकसान नहीं पहुंचा। यह एक बड़ा रहस्य है।

सुप्रीम कोर्ट के आरक्षण को लेकर दिए गए फैसले के खिलाफ 21 को भारत बंद का ऐलान

लखनऊ ।

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के विरोध में दलित संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है। दलित संगठनों ने 21 अगस्त को इस फैसले के खिलाफ भारत बंद का आव्हान किया है। वहीं भारत बंद को बहुजन समाज पार्टी का भी समर्थन मिल गया है। बसपा की ओर से सभी छोटे-बड़े कार्यकर्ताओं को भारत बंद में शामिल होने की अपील की गई है। बसपा महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने बताया कि बहन जी ने सुप्रीम कोर्ट के उप वर्गीकरण के फैसले का पुरजोर विरोध किया है। वहीं बंद के दौरान प्रदेश में हिंसा भड़कने की आशंका को लेकर इंटेलिजेंस द्वारा दिए इनपुट के बाद दो दिन पहले पुलिस के शीर्ष अधिकारियों ने वीडियो कांफ्रेंसिंग कर प्रदेश के समस्त कमिश्नर, आईजी, डीएम और एसपी के साथ बैठक की है। दरअसल बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक निर्णय में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति यानी एससी-एसटी में उपवर्ग बनाने का अधिकार राज्यों को दे दिया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने के लिए भी कहा है। कोर्ट के इस फैसले का बसपा सुप्रीमो मायावती समेत तमाम नेता विरोध कर रहे हैं। अब कोर्ट के इस फैसले को लेकर भारत बंद का आव्हान किया गया है। 21 अगस्त को होने वाले भारत बंद के समर्थन में बसपा सुप्रीमो खुलकर सामने आ गई है। इस संबंध में बसपा नेता सतीश चंद्र मिश्रा समेत तमाम पार्टी के नेताओं को पोस्ट किया है।

पार्टी महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि बहन जी के दिशा निर्देश के अनुसार बीएसपी के सभी छोटे-बड़े कार्यकर्ताओं से अपील है कि बसपा के नीला झंडा और हाथी निशान के तहत 21 अगस्त को होने वाले भारत बंद में शामिल हो। साथ ही जनता को खास कर दलित, शोषित, वंचित, अल्पसन्यक एवं न्याय पसंद लोगो तक उप वर्गीकरण के बारे में जागरूक करे। उन्होंने कहा कि बसपा के सभी कार्यकर्ता अनुशासित एवं संवैधानिक तरीके से बड़ी संख्या में भारत बंद में शामिल हो यह पार्टी की अपील है। जय भीम, जय भारत।

वहीं इस मामले में बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे व पार्टी के नेशनल कॉर्डिनेटर आकाश आनंद ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। आकाश ने पोस्ट में लिखा कि आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ एससी-एसटी समाज में काफी गुस्सा है। फैसले के विरोध में हमारे समाज ने 21 अगस्त को भारत बंद का आह्वान किया है। आकाश ने पोस्ट के जरिये बताया कि हमारा समाज शांतिप्रिय समाज है। हम सबका सहयोग करते हैं। सबके सुख-दुख में हमारा समाज शामिल होता है। लेकिन आज हमारी आजादी पर हमला किया जा रहा है।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की।

राहुल गांधी ने लेटरल एंट्री को लेकर फिर सरकार पर साधा निशाना

-दलितों, ओबीसी और आदिवासियों पर हमला बताया

नई दिल्ली।

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, सांसद व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लेटरल एंट्री मामले में एक बार फिर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है और कहा, कि यह दलितों, ओबीसी और आदिवासियों पर हमला है। राहुल ने सोमवार 19 अगस्त को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर बहुजनों से आरक्षण छीनने का प्रयास करने जैसा आरोप लगाया है। राहुल ने कहा, कि लैटरल एंट्री दलित, ओबीसी और आदिवासियों पर हमला है। भाजपा का राम-राज का विकृत संस्करण संविधान को नष्ट करना और बहुजनों से आरक्षण छीनना चाहता है। इससे पहले पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने ने रविवार 18 अगस्त को कहा था, कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के बजाय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के माध्यम से लोक सेवकों की भर्ती करके संविधान पर हमला कर रहे हैं।' यहां बतलाते चलें कि केंद्र ने 'लेटरल एंट्री' के माध्यम से 45 विशेषज्ञों की विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उपसचिव जैसे प्रमुख पदों पर नियुक्ति करने की घोषणा कर रखी है। जबकि आमतौर पर इन पदों पर अखिल भारतीय सेवाओं-भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और भारतीय वन सेवा (आईएफओएस) और अन्य 'ग्रुप ए' सेवाओं के अधिकारियों की नियुक्ति की जाती रही है। इसलिए अब इस मामले को लेकर देश में विरोध बढ़ना तय माना जा रहा है। इसलिए केंद्र अब बचाव की मुद्रा में नजर आ रहा है।

नई दिल्ली में सोमवार को रक्षाबंधन त्यौहार पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्कूली छात्राओं ने राखी बांधी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रक्षाबंधन पर नागरिकों को शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी नागरिकों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि समस्त देशवासियों को भाई-बहन के असीम स्नेह के प्रतीक पर्व रक्षाबंधन की ढेरों शुभकामनाएं। यह पावन पर्व आप सभी के रिश्तों में नई मिठास और जीवन में सुख, समृद्धि एवं सौभाग्य लेकर आए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व संस्कृत दिवस के अवसर पर अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज विश्व संस्कृत दिवस के अवसर पर सभी को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उन सभी को शुभकामनाएं दीं जो संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रहे हैं। श्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा ÷ विश्वसंस्कृतदिनस्य शुभाशयाः। ये संस्कृतस्य अत्यन्तं अनुरागिणः सन्ति किञ्च एतस्याः श्रेष्ठभाषायाः प्रचाराय प्रयत्नशीलाः सन्ति तेषाम् अहं हार्दम् अभिनन्दामि।

यूपीए सरकार ही लेकर आई थी लेटरल एंट्री अब कर रहे विरोध: वैष्णव

राहुल बोले-सरकार आईएएस का निजीकरण कर आरक्षण कर रही खत्म

नई दिल्ली।

कांग्रेस, सपा समेत कई विपक्षी दलों ने केंद्र में रिक्त संयुक्त सचिव, निदेशक व उपसचिव के 45 पदों पर सीधी भर्ती (लेटरल एंट्री) का विरोध किया है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि सरकार आईएएस का निजीकरण करते हुए आरक्षण खत्म कर रही है। लेटरल एंट्री पर राहुल गांधी के आरोपों को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- लेटरल एंट्री मामले में कांग्रेस का पाखंड स्पष्ट रूप से दिख रहा है। यह यूपीए सरकार ही थी जो लेटरल एंट्री लेकर आई थी। रेल मंत्री ने आगे लिखा कि पार्श्व प्रवेश मामले पर कांग्रेस का पाखंड स्पष्ट है। यह यूपीए सरकार थी जिसने पार्श्व प्रवेश की अवधारणा विकसित की थी। दूसरा प्रशासनिक सुधार आयोग (एआरसी) 2005 में यूपीए सरकार ने स्थापित किया था। वीरप्पा मोइली ने इसकी अध्यक्षता की थी यूपीए सरकार के कार्यकाल में लेटरल एंट्री के जरिए विशेषज्ञों की भर्ती की सिफारिश की गई थी। रेल मंत्री ने आगे लिखा-एनडीए सरकार ने लेटरल एंट्री को लागू करने के लिए एक पारदर्शी तरीका अपनाया है। यूपीएससी के जरिए से पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से भर्तियां की जाएंगी। इस सुधार से प्रशासन में सुधार होगा। इसको लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर लिखा कि इन पदों को निचले पदों पर तैनात कर्मचारियों को पदोन्नति देकर भरा जाना चाहिए। एससी, एसटी व पिछड़ा वर्ग के लिए कोटा व्यवस्था लागू करके इन पदों को भरा जाए। अगर केंद्र सरकार इसे लागू नहीं करती है तो यह संविधान का सीधा उल्लंघन होगा। वहीं अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि बीजेपी पिछले दरवाजे से अपनी विचारधारा के लोगों को यूपीएससी के उच्च पदों पर बैठाने की साजिश रच रही है। यह सारी चाल पीडीए से उसका आरक्षण व अधिकार छीनने की है। उन्होंने युवाओं व अधिकारियों से अपील की है कि यदि सरकार इस मामले में अपना फैसला नहीं बदलती है तो दो अक्टूबर से इसके खिलाफ देशभर में सपा द्वारा चलाए जाने वाले आंदोलन में

शामिल होकर इसका विरोध करें। लेटरल एंट्री का मतलब निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों की सीधी भर्ती है। इसके जरिए से केंद्र सरकार के मंत्रालयों में संयुक्त सचिवों, निदेशकों और उप सचिवों के पदों की भर्ती की जाती है।

एमयूडीए घोटाला: सीएम सिद्धारमैया ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

-राज्यपाल थावरचंद गहलोत के मुकदमा चलाने के आदेश को दी चुनौती

नई दिल्ली। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया जमीन घोटाले मामले में हाईकोर्ट पहुंच गए हैं। उन्होंने राज्यपाल के आदेश को चुनौती दी है। राज्यपाल ने सीएम पर मामला दर्ज करने की मंजूरी दी है। यह मामला एमयूडीए घोटाले से संबंधित है, जिसमें सिद्धारमैया की पत्नी को केसरूर में तीन एकड़ और 16 गुंटा कृषि भूमि के अवैध अधिग्रहण के लिए एक पॉश इलाके में वैकल्पिक भूखंड मिला था। सिद्धारमैया ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया है। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने भी मुख्यमंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा कि उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति क्यों न दी जाए। जवाब में, कर्नाटक कैबिनेट ने दृढ़ता से सिफारिश की कि राज्यपाल सीएम को जारी नोटिस वापस लें। सीएम सिद्धारमैया का कहना है कि अलग-अलग घोटालों में एचडी कुमारस्वामी और बीएस येदियुरप्पा की संलिप्तता को उजागर करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं विपक्षी नेताओं और उन घोटालों को उजागर करूंगा, जिनमें वे कथित रूप से शामिल हैं। विपक्ष सिद्धारमैया की छवि को खराब करने कोशिश कर रहे हैं। वे लोगों के आशीर्वाद से सत्ता में आई इस सरकार को हटाने षड़यंत्र कर रहे हैं। बता दें कि बीजेपी सिद्धारमैया का इस्तीफा मांग रही है। वहीं बीजेपी के सुर में टीएमसी ने भी सुर मिला दिया है।

लेटरल एंट्री सिस्टम बना चर्चा का विषय, भारत ही नहीं कई देशों में है लागू

एक्सपर्ट बोले : इससे ब्यूरोक्रेसी में बढ़ती है दक्षता और पारदर्शिता

नई दिल्ली।

बिना परीक्षा आईएएस बनाने वाले लेटरल एंट्री सिस्टम चर्चा का विषय बना हुआ है। कांग्रेस समेत कई विरोधी पार्टियां लेटरल एंट्री से हो रही नियुक्तियों का विरोध कर रही है। विपक्ष के विरोध के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि लेटरल एंट्री (सीधी भर्ती) का विचार यूपीए के समय में आया था। आपको बता दें ये सिस्टम भारत ही नहीं दुनिया के देशों में है। यूपीएससी लेटरल एंट्री के जरिए सीधे उन पदों पर उम्मीदवारों की भर्ती की जाती है, जिन पद पर आईएएस रैंक के ऑफिसर तैनात किए जाते हैं। इस सिस्टम में कई मंत्रालय, विभाग और संगठनों में सीधे उपसचिव (ज्वाइंट सेक्रेटरी) और डायरेक्टर और डिप्टी सेक्रेटरी के पद पर उम्मीदवारों की नियुक्ति होती है। इसमें निजी क्षेत्रों से अलग-अलग सेक्टर के एक्सपर्ट्स को सरकार में इन पदों पर नियुक्त करती है। इस सिस्टम में यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में हिस्सा नहीं लेता है और बिना परीक्षा दिए साक्षात्कार के जरिए निजी सेक्टर के एक्सपर्ट्स की इन पदों पर नियुक्ति की जाती है।

लेटरल सिस्टम भारत के अलावा कई देश हैं जो लेटरल एंट्री से अधिकारियों की नियुक्तियों को सपोर्ट करते हैं। सिविल सर्विस मैनेजमेंट के लिए मशहूर देशों में डायरेक्ट और लेटरल एंट्री सिस्टम है, जिनमें ऑस्ट्रेलिया, यूएसए और यूके जैसे देश शामिल हैं। इनके अलावा फ्रांस, बेल्जियम, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया और स्पेन जैसे देशों में ये सिस्टम लागू है। अमेरिका में कई पदों पर लेटरल एंट्री के जरिए अधिकारियों की नियुक्ति की जाती है और यहां लेटरल एंट्री सिस्टम का पर्मानेंट पार्ट है।

इसके अलावा कनाडा में भी लेटरल एंट्री सिस्टम है और एजुकेशन भी कुछ कोर्स में सीधे एंट्री दिए जाने का प्रावधान है। यूके में भी लेटरल एंट्री के जरिए एससीएस संभव है, लेकिन अभी इनकी संख्या काफी कम है और ये जरूरी है कि लेटरल एंट्री लेने वाले उम्मीदवार को निजी सेक्टर में अच्छा अनुभव होना चाहिए। वैसे यूके और भारत में सिविल सर्विसेज का सिस्टम करीब एक जैसा ही है।

कई एक्सपर्ट लेटरल एंट्री के फायदे भी गिनाते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि लेटरल एंट्री सिस्टम से सरकारी सेवाओं में एक्सपर्ट और अनुभव दोनों शामिल होते हैं।

इससे कामकाज में सुधार होता है और इससे नई सोच और दृष्टिकोण भी शामिल होता है। साथ ही ब्यूरोक्रेसी में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ती है। साक्षात्कार से चयन होने पर एक्सपर्ट में भी खास लोग चुनकर आते हैं और उन्हें उस फील्ड में काफी लंबा अनुभव होता है जो नीतियां बनाने में काफी फायदेमंद होता है।

बता दें कि इस बार 45 पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इससे पहले 2019 में आठ जॉइंट सेकेट्री पदों पर नियुक्ति की गई थी। इसके बाद 2022 में 30 अधिकारियों का चयन किया गया था। वहीं, 2023 में 37 पदों के लिए भर्ती निकाली थी, 20 अधिकारी जिसमें जॉइंट सेकेट्री, डायरेक्टर और डेप्युटी सेकेट्री भी शामिल थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पेयजल पर सवाल

यह कितनी गंभीर बात है कि दुनिया में लगभग 4.4 अरब लोगों को साफ पानी नसीब नहीं है। विज्ञान पत्रिका साइंस में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया में आधे से ज्यादा लोग असुरक्षित पानी पीते हैं, जो पिछले अनुमान से दोगुना है। 'स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ एक्वाटिक साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी' में जल शोधकर्ता एस्थर ग्रीनवुड का कहना है कि इतने सारे लोगों तक साफ पानी की पहुंच नहीं होना एक अस्वीकार्य तथ्य है और स्थिति को तत्काल बदलने की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र 2015 से ही स्वच्छ पेयजल तक पहुंच को मानवाधिकार से जोड़कर देख रहा है। उसकी कोशिश रही है कि लोगों तक साफ जल व्यवस्थित ढंग से पहुंचाया जाए। पहले पूरा जोर जल के बुनियादी ढांचे पर था, ताकि पेयजल के स्रोतों में सुधार किया जा सके। मोटे तौर पर गंभीर प्रयासों के बाद दुनिया की 90 प्रतिशत मानव आबादी के पास पीने का पानी पहुंच गया या पहुंचा दिया गया। दुनिया भर में कुओं, नदियों, पाइप से जल आपूर्ति, वर्षा जल संग्रहण पर ध्यान दिया गया। बाद में जब उपलब्ध पानी को परखने पर ध्यान दिया गया, तो पाया गया कि पानी दिया तो जा रहा है, पर वह पूरी तरह स्वच्छ नहीं है। एक बड़ी चिंता यह है कि पानी के संबंध में दुनिया भर की सरकारों के पास पुख्ता आंकड़े नहीं हैं। लोगों तक जल पहुंचाने के बड़े प्रयासों के लगभग एक दशक बाद भी सांख्यिकीविद् अभी भी अधूरे आंकड़ों पर भरोसा करने को मजबूर हैं। ऐसे में, सवाल यह पैदा होता है कि क्या दुनिया में कुछ ही लोगों को पूरी तरह से साफ पानी पीने के लिए मिल रहा है? ग्रीनवुड साफ स्वीकार करते हैं कि हमारे पास पीने के पानी की गुणवत्ता से संबंधित पर्याप्त आंकड़े नहीं हैं। आज वैश्विक आबादी के सिर्फ आधे हिस्से के लिए जल-गुणवत्ता संबंधी आंकड़े उपलब्ध हैं। मतलब जल की वास्तविक स्थिति का पता वैज्ञानिकों को भी नहीं है। क्या अमीर देशों के पास जल के स्पष्ट आंकड़े हैं? क्या अभावग्रस्त देशों में लोगों तक कभी स्वच्छ पेयजल पहुंच पाएगा? इसमें कोई संदेह नहीं कि दुनिया अपने बुनियादी लक्ष्यों तक पहुंचने में हांफने लगी है। साल 2015 में संयुक्त राष्ट्र ने मानव कल्याण में सुधार के लिए सतत विकास लक्ष्य निर्धारित किए थे। उन लक्ष्यों में से एक है, 2030 तक सभी के लिए सुरक्षित और किफायती पेयजल की पहुंच सुनिश्चित करना। हालांकि, ऐसा लगता है कि सरकारों का इस ओर ध्यान नहीं है। यह गौर करने की बात है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र की बाल विकास से संबंधित एजेंसी यूनिसेफ ने मिलकर शोध किया था। साल 2020 में यह अनुमान लगाया गया था कि दुनिया में 2.2 अरब लोगों तक साफ पेयजल की पहुंच नहीं है। ग्रीनवुड और उनके सहयोगियों ने ज्यादा विस्तृत और बेहतर तरीके से जल की उपलब्धता को परखा है। पानी को परखने में इस बात का भी ध्यान रखा गया है कि किसी शहर में पानी के पूरे आंकड़े रखे जा रहे हैं या नहीं। जल की गुणवत्ता को स्थान विशेष में पहुंचकर जांचा गया है। यह भी जानना जरूरी है कि स्वच्छ पेयजल से वंचित 4.4 अरब में से लगभग आधे लोग दक्षिण एशिया और उप-सहारा अफ्रीका में रहते हैं। लोगों को सबसे साफ और सबसे ज्यादा पानी दक्षिणी यूरोप में उपलब्ध है। क्या भारत जैसे देश को जल के मोर्चे पर ज्यादा ईमानदारी से सुधार करना चाहिए?

आज का राशीफल

मेष – पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ – व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन – दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क – बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह – जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या – सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला – पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक – शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु – आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर – जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ – दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन – पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

अवसरवादी राजनीति

द ग्रेट गेम/ ज्योति मल्होत्रा

तृणमूल कांग्रेस की 'लापता लेडीज़' – इस नाम से आई हिंदी फिल्म का व्यंग्यात्मक संदर्भ– आखिरकार तब जाकर प्रकट हुईं, जब शुक्रवार को अपनी नेता और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में कोलकाता में निकले मार्च में भाग लिया। इसका आयोजन शहर के एक सरकारी अस्पताल में कार्यरत और कोई एक सप्ताह पहले बलात्कार एवं हत्या की शिकार बनी महिला डॉक्टर के 'समर्थन' में किया गया था। महुआ मोइत्रा, सायोनी घोष, डोला सेन, शताब्दी रॉय, शर्मिला सरकार, काकोली घोष दस्तीदार, जून मालिहा – सभी महिला सांसद – और मंत्री शशि पांजा उस हुजूम में शामिल थे, जो कोलकाता के मौलाली से डोरीना क्रॉसिंग तक ममता के साथ पैदल चला। यह काम ममता बनर्जी की साख पुनः स्थापित करने का भरसक प्रयास था, जो भारत की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से पिछले एक हफ्ते में गंवा दी लगती है। लगता है सालों में पहली बार,दीदी बैकफुट पर हैं। उन्हें मालूम है, उनसे गलती हो गई है। पूर्व पत्रकार सागरिका घोष को छोड़कर, उनकी 11 महिला लोकसभा सांसद, जिनमें से कई सोशल मीडिया की 'स्टार' हैं, उन्हें भली भांति पता था कि जघन्य कांड की खबर आने के बाद,पीड़िता के समर्थन में बयान देने के लिहाज से आरंभिक कुछ घंटों और दिनों का क्या महत्व है, लेकिन उन्होंने फिर भी चुप्पी साधे रखी – तृणमूल ने सूचना-शून्यता बनने दी, अब विपक्षी भाजपा सही में इसका लाभ उठा रही है। संसद और कोलकाता में भाजपा के लिए सिरदर्द बनी रहने वाली इन मुखर महिलाओं को पता है कि जब उन्होंने अपने बेहतर निर्णय के विरुद्ध जाकर, चुप्पी धारण किए रखी – शायद, कोलकाता पुलिस द्वारा अपनी जांच करने का इंतजार कर रही हों या हो सकता है पहले अपनी प्रिय नेता, दीदी, द्वारा इस संबंध में दिए जाने वाले बयान की प्रतीक्षा में थीं – तो उन्होंने बहुत लंबा इंतजार किया। राजनेता महिलाओं और पुरुषों में अपने प्रति जिस भरोसे की भावना को लगातार बनाए रखने के प्रयास में रहते हैं, कम से कम, फिलहाल, वह घटा दिखाई दे रहा है। क्योंकि कोई एक दशक से अधिक समय में पहली बार संदेह का बीज समाता नज़र आ रहा है। अब तक जो कुछ हम जान पाए हैं, वह यह कि युवती के साथ बलात्कार और हत्या 9 अगस्त की सुबह 3 से 5 बजे के बीच हुई, जब अस्पताल में लगातार 36 घंटे काम करने के बाद उसने सेमिनार रूम में कुछ देर आराम करने का फैसला किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दरिंदगी का डरावना विवरण है– उसका गला घोंटकर मारा गया (गला घुटने से थायरॉयड उपास्थि टूटी पाई गई), उसके प्राइवेट पार्ट्स पर गहरे घाव थे, जो स्पष्ट रूप से 'विकृत कामुकता' और 'मातृत्व संबंधी अंगों को यातना' दर्शाता है। उसकी आंखों और मुंह से भी खून बह रहा था। सोशल मीडिया पर दिखी तस्वीरों में, उसकी टांगें परस्पर अजीब एंगल पर दिखाई दे रही थीं – कुछ का कहना है कि यह तभी संभव है जब पेल्विक गर्डल (कूल्हा) टूट जाए। हालांकि, हैरानी की बात कि ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी समेत, तृणमूल के युवा सितारों से सज्जित इस समूह ने अगले छह दिनों तक खुद को अन्य नाना प्रकार के मामलों में व्यस्त रखा, जिसमें पेरिस में विनेश फोगाट को मिला झटका भी शामिल था। बताया जाता है कि दीदी ने कोलकाता में हत्याकांड पर बांग्ला में कुछ बोला था – कुछ-कुछ जंगल में नाचे मोर की तरह, जिसे शायद ही किसी ने देखा हो, तब फिर यह किस काम का। आगे, घटनाएं अपने आप जन्म लेने लगीं। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल ने इस्तीफा दे दिया लेकिन चंद घंटों में उन्हें एक और बढ़िया पद दे दिया गया। तरह-तरह की अफवाहें भी चलीं, मसलन, पुलिस इसे 'आत्महत्या' ठहरा रही है (हालांकि उसने ऐसा किया नहीं) या माता-पिता को बताए बिना प्रशासन ने शव को अग्नि दी (जबकि दाह-संस्कार परिवार ने ही किया), इससे सूचना-शून्यता और गहराई। इन सभी महिला सांसदों के एक्स हैंडल, जिस पर अकसर ये कुछ गलत होने पर काफी मुखरता से बयानबाज़ी करती रहती हैं,अजीब ढंग से शांत रहे। यहां तक कि 14-15 अगस्त की रात में, जब कोलकाता की आधी से ज़्यादा आबादी 'रात्रि में महिलाओं की सुरक्षा के सवाल' पर सड़कों पर उतरी और हज़ारों नर-नारी न्याय, जीने का अधिकार और सुरक्षा की मांग कर रहे थे, तब भी तृणमूल के लोग गायब थे। उनका गुस्सा, जुनून और जोश, जो अक्सर लोकसभा में हलचल मचा देता है, या तो चुक गया या फिर कहीं और बेकार गया। टीवी चैनलों ने पीड़िता को नाम दिया – 'अभया' यानि निडर,यह उस लड़की को दिए नाम -निर्भया- की याद दिलाता है, जिसका 12 साल पहले दिल्ली में क्रूरतापूर्वक बलात्कार किया गया था। सबको याद होगा कि 2012 की सर्दियों में क्या हो गुजरा था, जब शीला दीक्षित की कांग्रेस सरकार ने पीड़ित लड़की को बचाने की हरचंद कोशिश की थी। दो साल बाद, मनमोहन सिंह सरकार ने केंद्र में सत्ता खो दी,और भाजपा का राह साफ हुई।

कइयों का कहना है कि 'निर्भया' ने एक राजनीतिक पार्टी के लिए तकदीर की राह खोल दी। स्पष्टतः भाजपा को यकीन है कि आज 'अभया' उसके लिए वह कर सकती है, जो प्रधानमंत्री मोदी पिछले 10 वर्षों में करने में विफल रहे अर्थात बंगाल को भाजपा के लिए वोट डालने को राजी करना या फिर कम-से-कम अपने पक्ष में करना, हालांकि बंगाल में चुनाव अभी दूर-दूर तक नहीं हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में अमेठी में साधारण कांग्रेसी उम्मीदवार किशोरी लाल शर्मा से हारने के बाद पहली बार स्मृति ईरानी का टीवी स्क्रीन पर दिखना अकारण नहीं है। लेकिन भाजपा अभी भी पाएगी कि जिन हिंदी भाषी राज्यों को जीतने का उसे अनुभव है, बंगाल उनसे कुछ अलग है। हिंदुत्व के प्रति बढ़ते चाव के बावजूद, आज कोलकाता की सड़कों पर दिखने वाला आक्रोश भाजपा की वजह से नहीं बल्कि लोगों में तृणमूल के खिलाफ गुस्सा और लाचारी महसूस किए जाने के चलते अधिक है। यह भाजपा नहीं बल्कि दीदी हैं, जो बंगाल की महिलाओं से अपनी मुख्य शक्ति बनने और वोट डालकर हाथ मजबूत करने का आह्वान किया करती हैं। चौदह अगस्त को, आधी रात से पहले भीड़ ने उस अस्पताल में तोड़फोड़ की जहां लड़की की हत्या हुई थी, उससे कुछ घंटे पहले सायोनी घोष 'कन्याश्री' परियोजना के लिए ममता की वाहवाही कर रही थीं, जिसमें बच्चियों के वास्ते कई किस्म की योजनाएं हैं।

हाल की घड़ी, भारी भ्रष्टाचार और जनता की लाचारी जो शहर के साथ-साथ सूबे भर में पसरने लगी है, उसको लेकर कोलकाता में दिखे गुस्से का केंद्र बिंदु ममता और तृणमूल हैं। कुछ भी कारगर नहीं लगता, बदलाव अगर है भी तो बहुत कम। यदि यह जनाक्रोश बंगाल के अन्य हिस्सों में फैल गया, तो ममता को भी पता है क्या हो सकता है – ऐसा पहले हो चुका है जब 2007 में सत्तारूढ़, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने नंदीग्राम की धरती से उठती नाराज आवाजों पर कान धरने से इंकार कर दिया था और कुछ साल बाद सत्ता खो दी – और उस नाराज़गी की सबसे बड़ी लाभार्थी स्वयं ममता रहीं। इसीलिए ममता ने शुक्रवार को कोलकाता में निकले मार्च का नेतृत्व किया, जिसमें उनकी सबसे मुखर महिला सांसद और विधायक साथ थे। वे सभी समझते हैं कि उन्हें बंगाल जीतने के लिए पुनः संघर्ष करना पड़ेगा। अगर वे ऐसा नहीं करेंगे – तो महुआ मोइत्रा के बावजूद – तृणमूल की महिला सांसदों पर बंगाल की 'लापता लेडीज़' और 'गूंगी गुड़ियाएं' का ठप्पा लगने का खतरा है।

ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है अक्षय ऊर्जा

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(अक्षय ऊर्जा दिवस 20 अगस्त पर विशेष)

पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए। अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात् अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है। पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके। किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है। देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को अक्षय ऊर्जा दिवस भी मनाया जाता है।

आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार इन गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही एक ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाईयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज की 2018 की एक रिपोर्ट के अनुसार तीन वर्षों में सौर ऊर्जा के लिए करीब नब्बे फीसदी उपकरण आयात किए गए, जिस कारण बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ जाती है। देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर तेजी से बढ़ रहा है।

देश में साढ़े तीन लाख मेगावॉट से भी अधिक बिजली का उत्पादन किया जा रहा है लेकिन यह हमारी कुल मांग से करीब ढ़ाई फीसदी कम है। भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम मंत्रालय द्वारा प्रकाशित 20वीं ऊर्जा सांख्यिकी रिपोर्ट में बताया गया था कि वर्ष 2011-12 से 2016-17 के बीच प्रति व्यक्ति ऊर्जा की खपत 3.54 प्रतिशत बढ़ गई। वर्ष 2005-06 से 2018-19 के दौरान प्रति व्यक्ति बिजली उपभोग में करीब दो गुना वृद्धि दर्ज की गई। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के अनुसार देश में प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 1150 किलोवाट से भी अधिक बिजली का उपभोग किया जाता है। इसका एक अहम कारण देश में तेजी से बढ़ती जनसंख्या भी है। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का करीब 58 फीसदी उपभोग किया जाता है। औद्योगिक क्षेत्र के अलावा कृषि क्षेत्र तथा घरेलू कार्यों में भी ऊर्जा की मांग और खपत पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ी है। एक रिपोर्ट के अनुसार देश में प्रति व्यक्ति ऊर्जा उत्सर्जन 4 फीसदी की दर से बढ़ रहा है।

हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पैट्रोलियम इत्यादि ऊर्जा के अन्य स्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न सिर्फ आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी धरती पर विद्यामान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है। भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए कोयला, सोलर हीट, न्यूक्लियर हीट, कचरा तथा बायो ईंधन का उपयोग किया जाता है किन्तु अधिकांश बिजली कोयले के इस्तेमाल से ही पैदा होती है। विश्वभर में करीब 40 फीसदी बिजली कोयले से प्राप्त होती है जबकि भारत में 60 फीसदी से अधिक बिजली कोयले से, 16 फीसदी अक्षय ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा तथा बायो गैस से, 14 फीसदी पानी से और 8 फीसदी गैस से पैदा होती है। सार्वजनिक क्षेत्र के सवा सौ से भी अधिक थर्मल पावर स्टेशनों में प्रतिदिन 18 लाख टन से अधिक कोयले की खपत होती है।

दुनियाभर में ऊर्जा क्षेत्र में 77 फीसदी कार्बन उत्सर्जन बिजली उत्पादन से ही होता है। इन्हीं पर्यावरणीय खतरों को देखते हुए बिजली पैदा करने के लिए अब सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों को विशेष महत्व दिया जाने लगा है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने से हमारी ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर कम होता जाएगा और इससे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक जीवन स्तर में भी सुधार होगा। सही मायने में अक्षय ऊर्जा ही आज भारत में विभिन्न रूपों में ऊर्जा की जरूरतों का प्रमुख विकल्प है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ टिकाऊ भी है। भारत धीरे-धीरे ही सही, अब इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। वास्तव में आज समय है आर्थिक बदहाली और भारी पर्यावरणीय विनाश की कीमत पर ताप, जल एवं परमाणु ऊर्जा जैसे पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों के बजाय अपेक्षाकृत बेहद सस्ते और कार्बन रहित पर्यावरण हितैषी ऊर्जा स्रोतों के व्यापक स्तर पर विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ने का लेकिन साथ ही हमें ऊर्जा की बचत की आदतें भी अपनानी होंगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण विषयों के जानकार तथा 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के लेखक हैं)

विचार मंथन

सरकार बनाने और गिराने में पूंजीपतियों की भूमिका

(लेखक-सनत जैन)

भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों में पूंजीपतियों की भूमिका काफी बढ़ गई है। निर्वाचित सांसद और विधायकों की खरीद-फरोख्त करके सरकार बनाने और बिगाड़ने का खेल पूंजीपति, राजनेताओं के साथ खेल रहे हैं। जब किसी भी राज्य में 10-15 विधायक बहुमत के लिए कम होते हैं। वहां पर पूंजीपतियों और राजनेताओं का यह खेल बड़ी आसानी के साथ हो जाता है। विधायकों को वर्ष 2000 के आसपास 1 से 2 करोड़ रुपया देकर विधायक खरीदने के आरोप लगते थे। दलबदल से बहुमत से सरकार बना ली जाती थी। जो उद्योगपति इसमें पैसा लगता था, उसके काम सरकार में प्राथमिकता से हो जाते थे। जब छोटे राज्य बनना शुरू हुए, उसके बाद से यह बीमारी लगातार बढ़ती ही चली गई। पहले उद्योगपति चुनाव के लिए राजनीतिक दलों को चंदा देते थे। जिस राजनीतिक दल की जो हैसियत होती थी। उसे उसके अनुसार उद्योगपति चंदा दे देते थे। चंदे के कारण राजनीतिक दलों के राजनेताओं के संबंध पूंजीपतियों से बेहतर होते थे। इस समय सरकार की नीतियों के विरुद्ध या विचारधारा को लेकर राजनीतिक दल कोई समझौता नहीं करते थे। जिसके कारण 1990 तक भारतीय राजनीति में राजनीतिक दलों की विचारधारा के आधार पर सांसदों और विधायकों का चुनाव होता था। जब छोटा राज्य बनना शुरू हुए, उसके बाद से पूंजीपतियों का सरकार बनाने और बिगाड़ने में नया खेल शुरू हो गया। 1989 के बाद केंद्र में कभी भी पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं बनी। हमेशा जोड़-तोड़ करके 2014 तक सरकारें बनती और बिगड़ती रही हैं। 1990 के बाद केंद्र एवं राज्यों में सांसदों और विधायकों की खरीद फरोख्त में पूंजीपति घरानो का दबदबा बढ़ता चला गया। पूंजीपतियों की सहायता से पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंहराव, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में सरकार को स्थिर बनाए रखने के लिए राजनीतिक दलों को सांसद उपलब्ध कराने का काम पूंजीपति करते रहे हैं। 1990 के बाद रिलायंस समूह का उत्थान शुरू हुआ। धीरूभाई अंबानी ने प्रमोद महाजन को अपना तीसरा बेटा बताया। टेलीकॉम के क्षेत्र में प्रमोद महाजन की विशेष कृपा किसके साथ रही है। यह सारा देश जानता है। शेयर बाजार का हर्षद मेहता का घोटाला भी सभी को याद है। नरसिंहराव को अपनी सरकार बचाए रखने के लिए किसने अटैची से पैसे भेजे थे, उस समय यह भी बड़ा चर्चित आरोप रहा। राजनीतिक दलों की विचारधारा नेपथ्य में चली गई। बहुमत पाने के लिए संख्या बल महत्वपूर्ण हो गया। राज्यों में भी कुछ इसी तरह की स्थिति बनने और बिगड़ने लगी थी। 2014 के बाद केंद्र में पूर्ण बहुमत की मोदी सरकार 25 वर्ष बाद आई। उसके बाद राज्यों में उथल-पुथल शुरू हुई। पहले सरकारों को गिराने के लिए राष्ट्रपति शासन का उपयोग किया जाता था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जब यह संभव नहीं रहा। उसके बाद विधायकों की खरीद-फरोख्त करके राज्य सरकारों को अस्थिर कर नई सरकार का गठन हुआ। निर्वाचित प्रतिनिधियों को चुनाव जीतने के बाद बड़ी संख्या में दल-बदल कराकर राज्यों में सरकार बनाने का नया प्रयोग भारत में शुरू हुआ। जो अभी भी चल रहा है। इस प्रयोग में विधायकों को 5 करोड रुपए से लेकर 25-50 करोड रुपए तक देकर दल-बदल करने के आरोप समय-समय पर लगते रहे हैं। अब किसी भी राज्य सरकार को 100-200 करोड रुपए खर्च करके गिराया और बनाया जा सकता है। विचारधारा के आधार पर मतदाता अपना प्रतिनिधि चुनते हैं। वह राजनीतिक दल के पक्ष में मतदान करते हैं। जब चुनाव परिणाम आ जाते हैं, उसके बाद निर्वाचित प्रतिनिधि अपनी कीमत वसूल कर किसी भी दल में चले जाते हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा पूंजीपति ही उठा रहे हैं। जब किसी भी राजनीतिक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता है। 2014 तक यह बीमारी ला इलाज नहीं हुई थी। पिछले कुछ वर्षों में यह बीमारी कैंसर की तरह बड़ी तेजी के साथ फैल रही है। इसमें पूंजीपतियों की भूमिका भी अहम हो गई है। पिछले कुछ माह पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रोल बांड के बारे में जो फैसला दिया था। उसके बाद जो जानकारी सामने निकल कर आई है। वह आश्चर्यचकित करने वाली है। पूंजीपतियों द्वारा बड़ी मात्रा में राजनीतिक दलों को चंदा दिया गया। केंद्र में और राज्यों में जिन राजनीतिक दलों की सरकार थी। उन्हें सबसे ज्यादा चंदा इलेक्ट्रोरल बाण्ड मिला। ठेके और लाइसेंस भी उन्हें मिले, जिन्होंने राजनीतिक दलों को इलेक्ट्रोल बांड के जरिए चंदा दिया था। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद यह सच सामने आया। पिछले 10 सालों में जिस तरह से पूंजीपतियों की संपत्ति बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। गरीब और गरीब होता जा रहा है। एक तरह से भारत में भी पूंजीवादी देशों की तरह पूंजीपतियों के लिए नीतियां तैयार की जा रही हैं। उसके कारण अब केंद्र एवं राज्य सरकारों के खिलाफ जनता की नाराजी स्पष्ट रूप से सामने दिखने लगी है।

पंजाब में बासमती की खेती का रकबा 12.58 फीसदी बढ़ा

चंडीगढ़ । पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि राज्य सरकार के फसल विविधीकरण अभियान से चालू खरीफ सत्र के दौरान बासमती की खेती का रकबा 12.58 प्रतिशत बढ़ाने में मदद मिली है। मंत्री ने कहा कि लंबे दाने वाले चावल की खेती बढ़कर 6.71 लाख हेक्टेयर तक हो गई है, जो पिछले खरीफ सत्र में 5.96 लाख हेक्टेयर थी। बासमती की खेती के जिलेवार आंकड़े देते हुए खुड्डियां ने कहा कि अमृतसर इस सुगंधित चावल के लिए 1.46 लाख हेक्टेयर क्षेत्र के साथ अग्रणी है। अमृतसर के बाद मुक्तसर में 1.10 लाख हेक्टेयर, फाजिल्का में 84.9 हजार हेक्टेयर, तरनतारन में 72.5 हजार हेक्टेयर और संगरूर में 49.8 हजार हेक्टेयर में बासमती की खेती की गई। मंत्री ने कहा कि राज्य ने बासमती की निर्यात गुणवत्ता को विश्व स्तरीय मानक तक बढ़ाने के लिए इस सुगंधित फसल में 10 कीटनाशकों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है।

रक्षाबंधन पर 12000 करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली । देशभर में सोमवार को रक्षा बंधन का त्यौहार मनाया जा रहा है। इस बार राखियों की बिक्री ने नया रिकॉर्ड बनाया है। राखी के दिन से पहले ही 12,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार हो चुका है। इस बार लोगों ने चीनी राखियों से दूरी बनाई। पिछले साल राखी पर 10,000 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ था लेकिन इस बार राखी से पहले ही पिछले साल का ये आंकड़ा पार हो गया है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने राखी पर हुए कारोबार के आंकड़े जारी किए हैं जिसके अनुसार देशभर में राखी के त्यौहार पर 12 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार हुआ है। रविवार देर रात तक राखी और तोहफे खरीदने वालों की बाजार में रौनक लगी रही। राखी के दिन भी बाजार गुलजार है। इस बार बाजार में न ही चीनी राखियों की डिमांड दिखी और न ही राखियां। लोग चीनी राखियों से दूरी बना रहे हैं।

हीरो मोटोकॉर्प को 17 करोड़ का टैक्स डिमांड नोटिस

नई दिल्ली । हीरो मोटोकॉर्प ने कहा कि उसे दिल्ली जीएसटी अधिकारियों की ओर से 17 करोड़ रुपये से अधिक का नोटिस मिला है। दोपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी ने नियामकीय फाइलिंग में कहा कि कंपनी को दिल्ली सरकार के जीएसटी अधिकारी के कार्यालय से वित्त वर्ष 2019-20 के लिए इनपुट टैक्स क्रेडिट की अस्वीकृति के लिए एक आदेश प्राप्त हुआ है। नोटिस के अनुसार कर मांग 9,38,66,513 रुपये, ब्याज 7,32,15,880 रुपये और जुर्माना 93,86,651 रुपये है। कंपनी के आकलन के आधार पर कर की मांग कानूनन स्वीकार्य नहीं है। हीरो ने कहा कि कंपनी के असेसमेंट के आधार पर टैक्स डिमांड कानून के तहत स्वीकार्य नहीं है। हीरो मोटोकॉर्प ने कहा कि जीएसटी अधिकारी, नई दिल्ली के कार्यालय द्वारा अस्वीकृत इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा कंपनी द्वारा जीएसटी कानून के प्रावधानों के अनुसार सही तरीके से किया गया था, लेकिन आपूर्तिकर्ता के गैर-अनुपालन के कारण इसे अस्वीकृत कर दिया गया, जो कंपनी के लिए जिम्मेदार नहीं है।

आने वाले त्योहारी सीजन में बढ़ेगा खुदरा कारोबारः बाटा

नई दिल्ली । देश की प्रमुख कंपनी बाटा के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि खपत में सुस्ती अस्थायी है और आने वाली तिमाहियों में त्योहारों के दौरान मांग बढ़ने तथा खुदरा कारोबार में विस्तार से क्षेत्र में तेजी आने की उम्मीद है। कंपनी को उम्मीद है कि ई-कॉमर्स के जे रिए उसकी वृद्धि में तेजी आएगी। इसका कारण कंपनी अपने पोर्टल और भागीदारों के माध्यम से ऑनलाइन बिक्री का विस्तार कर रही है। ई-कॉमर्स अब अब एक लाभदायक और व्यवहारिक कारोबार है। इसके अलावा, नई पीढ़ी को आकर्षित करने की अपनी रणनीति के तहत बाटा अपनी दुकानों को अधिक आकर्षक बनाने के लिए उसके नवीनीकरण में भी निवेश कर रही है। साथ ही किफायती उत्पादों के साथ-साथ नये-नये उत्पादों में भी निवेश कर रही है। कंपनी के उत्पादों के खरीदारों में युवाओं की हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत है। उन्होंने कहा` कि निकट अवधि में खपत में कुछ सुस्ती देखी जा रही है। इसके कारण कारोबार पर प्रभाव पड़ा है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी अपने प्रयास, निवेश और विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों और उपायों को जारी रख रही है। बाजार में निचले और मध्यम स्तर पर कुछ नरमी रही है।

भारत में फॉक्सकॉन का कारोबार 10 अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली ।

चीन से अपना कारोबार छोड़कर भारत आई इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनी फॉक्सकॉन के वारे न्यारे हो गए हैं। भारत सरकार की मेक इन इंडिया पहल ने विदेशी कंपनियों को यहां निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया था, इसके बाद फॉक्सकॉन ने भारत आने में देर नहीं की। चीन में कई तरह की दिक्कतों का सामना करने वाली इस कंपनी को शायद अनुमान नहीं था कि भारत में उसे ऐसी शानदार कामयाबी मिलेगी। दरअसल, फॉक्सकॉन के भारत में कारोबार ने 2024 तक 10 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का आंकड़ा पार कर लिया है, जबकि निवेश केवल 1.4 अरब डॉलर का ही किया था। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पिछले साल तक, हमने 10 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का कारोबार किया है और आने वाले साल में हम इससे भी अधिक करेंगे। वे यह बात फॉक्सकॉन के महिलाओं के लिए बनाए गए आवासीय कॉम्प्लेक्स के उद्घाटन के दौरान ही कही थी जो

फॉक्सकॉन के प्लांट के पास है। फॉक्सकॉन के भारतीय संयंत्र में फिलहाल करीब 48,000 कर्मचारी काम कर रहे हैं, जिनमें से 70 फीसदी महिलाएं हैं। तमिलनाडु का यह प्लांट देश में महिलाओं की सबसे बड़ी संख्या में रोजगार देने वाला संयंत्र है। यह कॉम्प्लेक्स 20 एकड़ में फैला हुआ है, जिसकी कुल लागत करीब 706 करोड़ रुपये है, और इसमें 18,000 से अधिक महिला कर्मचारी एक साथ रह सकेंगी।

18000 करोड़ वार्षिक पर पहुंचा टैटू का बाजार

नई दिल्ली।

शरीर में टेटू गुदवाना बहुत पुरानी पारंपरिक परंपरा है। अमेरिका में डिजाइनर टैटू गोदवाने का काम शुरू हुआ था। अब यह विश्व भर में फैल गया है। विश्व में टैटू कारोबार पर एक रिपोर्ट मार्केट रिसर्च फर्म बिजनेस बिजनेस इनसाइटस द्वारा तैयार कराई गई है। उसमें बताया गया है, जिस तरीके से यह कारोबार बढ़ रहा है। 2032 तक यह कारोबार बढ़कर 33000 करोड रुपए पर पहुंच जाएगा। अभी 18000 करोड रुपए वार्षिक कारोबार हो रहा है। विश्व में अब तरह-तरह के टैटू शरीर में बनाए जा रहे हैं। भारत जैसे देश में पहले टैटू चित्र या नाम के लिए गुदवाए जाते थे। अब शरीर के किसी भी भाग में टैटू बनवाने का सिलसिला शुरू हो गया है। कई टेटू तो गुप्तांग के आसपास खुदवाने का फैशन भी शुरू हो गया है। टैटू अब विभिन्न रंगों के तैयार हो रहे हैं। सारी दुनिया में टैटू का कारोबार लगातार बढ़ता चला जा रहा है। हजारों से लाखों रुपए तक के टैटू शरीर में बनवाए जा रहे हैं। फैशन का एक नया तरीका टैटू के रूप में ईजाद हुआ है। भारत में भी यह कारोबार बहुत तेजी के साथ बढ़ रहा है।

खाने में माइक्रो प्लास्टिक का पता लगाएगी एफएसएसएआई

नई दिल्ली।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य पदार्थों में माइक्रोप्लास्टिक यानी प्ला स्टिक के कण की मिलावट का पता लगाने के लिए एक खास परियोजना शुरू की है। इसके तहत माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण को एक उभरता हुआ खतरा माना गया है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। एफएसएसएआई के एक आधिकारिक बयान के अनुसार यह परियोजना इस साल मार्च में शुरू की गई थी। परियोजना का नाम उभरते खाद्य संदूषक के रूप में माइक्रो और नैनो प्लास्टिक- मान्य पद्धतियों की स्थापना और विभिन्न खाद्य मैट्रिक्स में व्यापकता को समझना है। इसका मकसद विभिन्न खाद्य उत्पादों में माइक्रो और नैनो प्लास्टिक का पता लगाने के लिए विश्लेषणात्मक तरीकों को विकसित करना और उन्हें मान्यता देना है। परियोजना के तहत भारत में माइक्रो और नैनो प्लास्टिक मिलावट के जोखिम स्तर का आकलन भी किया जाएगा। प्रोजेक्ट के शुरुआती उद्देश्यों में माइक्रो, नैनो-प्लास्टिक विश्लेषण के लिए मानक प्रोटोकॉल विकसित करना, इंट्रा- और इंटर-लैबोरेटरी तुलना करना और उपभोक्ताओं के बीच माइक्रोप्लास्टिक जोखिम के स्तर पर महत्वपूर्ण डेटा तैयार करना शामिल है। यह अध्ययन देश भर के बड़े रिसर्च सेंटर्स के सहयोग से कार्यान्वित किया जा रहा है, जिनमें सीएसआईआर-भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान (लखनऊ), आईसीएआर-केंद्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान (कोच्चि) और बिड़ला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (पिलानी) शामिल हैं।

शेयर बाजार में सपाट कारोबार

सेंसेक्स 80,424.68 , निफ्टी 24,572.65 पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को मिला-जुला कारोबार हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी वाहन और बैंकिंग शेयरों में मुनाफावसूली हावी होने से बाजार नीचे आया और अंत में सपाट बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 12.16 अंक करीब 0.02 फीसदी टूटकर 80,424.68 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 31.50 अंक तकरीबन 0.13 फीसदी ऊपर आकर 24,572.65 अंक पर बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप में 0.53 फीसदी और बीएसई स्मॉलकैप में 1.13 फीसदी से अधिक की बढ़त दर्ज की गयी।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 शेयर लाभ पर बंद हुए। टाटा स्टील, टीसीएस, एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील और एशियन पेंट्स सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा रिलायंस, टाइटन, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, पावर ग्रिड, बजाज फाइनैंस, सन फार्मा, इंफोसिस, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी पोर्ट्स, कोटक बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयर भी ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के 12 शेयर गिरावट पर बंद हुए। एमएंडएम, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल और टाटा मोटर्स सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। इसके साथ ही आईसीआईसीआई बैंक, नेस्ले इंडिया, मारुति, एलएंडटी, आईटीसी, एचयूएल और एचडीएफसी बैंक के शेयर गिरे हैं। बाजार जानकारों के अनुसार बाजार ऑटो शेयरों में मुनाफावसूली के कारण शुरुआती बढ़त के बाद भी बाजार नीचे आया। वहीं दुनिया भर के बाजारों

की बात करें तो एशियाई बाजारों में, शंघाई और हांगकांग तेज के साथ बंद हुए जबकि सियोल और टोक्यो के बाजार में गिरावट दर्ज की गयी। वहीं यूरोपीय बाजार ऊपर आये।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले मजबूत संकेतों के दौरान बेंचमार्क निफ्टी50 और सेंसेक्स बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स लगभग 243.41 अंक बढ़कर 80,680.25 के स्तर पर खुला, जबकि निफ्टी 50 95.20 अंक बढ़कर 24,636.35 के स्तर पर पहुंच गया।

देश के 12 फीसदी मसाले सुरक्षा मानकों में खरे नहीं उतरेः रिपोर्ट

- एफएसएसएआई जांच के बाद कंपनियों पर कर रही कार्रवाई

नई दिल्ली ।

देश के दो प्रे सिद्ध मसाला ब्रांड एमडीएच और एवरेस्ट के मसालों की गुणवतता पर कई देशों द्वारा सवाल उठाने के बाद भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने मसालों की जांच की थी। अब इस जांच की रिपोर्ट सामने आ गई है। बताया जा रहा है` कि जांचे गए मसालों के लगभग 12 फीसदी नमूने गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। यह जानकारी रॉयटर्स द्वारा प्राप्त आंकड़ों से सामने आई है। कीटनाशकों के उच्च स्तर के कारण अप्रैल में हांगकांग द्वारा एमडीएच और एवरेस्ट ब्रांडों के कुछ लोकप्रिय मसाला मिश्रणों की बिक्री को निलंबित करने के बाद भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने मिश्रित मसाला मिश्रणों की जांच, सैंपलिंग और परीक्षण किया। इसके बाद ब्रिटेन ने भारत से सभी मसालों के आयात पर नियंत्रण कड़ा कर दिया, जबकि न्यूजीलैंड, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने इन ब्रांडों से संबंधित मुद्दों की जांच की बात कही। एमडीएच और एवरेस्ट ने कहा है कि उनके उत्पाद उपभोग के लिए सुरक्षित हैं। उनके मसाले भारत में सबसे लोकप्रिय हैं जो दुनिया का सबसे बड़ा मसालों का निर्यातक, उत्पादक और उपभोक्ता

है। ये मसाले यूरोप, एशिया और उत्तरी अमेरिका में बेचे जाते हैं। सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त डेटा से पता चलता है कि मई और जुलाई की शुरुआत के बीच परीक्षण किए गए 4,054 नमूनों में से 474 गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरे। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने एक बयान में बताया कि उसने जिन मसालों का परीक्षण किया, उनके ब्रांडों के अनुसार विवरण नहीं है, लेकिन वह गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरने वाली कंपनियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

अब मास्टरकार्ड भी करेगा कर्मचा रियों की छंटनी

नई दिल्ली । पिछले कुछ महीने में माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और इंटेल जैसी कई प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनियों ने कामकाजी लागत कम करने के लिए हजारों कर्मचारियों की छंटनी की है। इस सूची में अब डेबिट और

क्रेडिट कार्ड ट्रांजैक्शन सुविधा देने वाली अमेरिकी कंपनी मास्टरकार्ड शामिल हो गई है। यह अपने करीब 1 हजार कर्मचारियों को निकालने वाली है, जो इसकी कुल वर्कफोर्स का 3 फीसदी हैं। मास्टरकार्ड का कहना है कि छंटनी कंपनी की नई रिस्ट्रक्चरिंग प्रक्रिया का हिस्सा है। साथ ही वह कुछ गैर-जरूरी पदों को भी खत्म कर रही है। मास्टरकार्ड के मुताबिक इससे उसे मौजूदा बाजार में बेहतर तरीके से कामकाज करने में मदद मिलेगी। छंटनी को 30 सितंबर तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा। इससे भारत समेत दुनियाभर में मास्टरकार्ड कर्मचारी प्रभावित होंगे।

रक्षाबंधन के दिन सोना-चांदी महंगे हुए

- सोना 71,600 रुपए, चांदी लगभग 83,850 रुपए

नई दिल्ली ।

रक्षाबंधन के दिन सोमवार को सोने- चांदी के वायदा कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोमवार को सोने के वायदा भाव 71,600 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 83,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव तेज शुरुआत के बाद सुस्त पड़ गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 83 रुपये की तेजी के साथ 71,458 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 245 रुपये की तेजी के साथ 71,620 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 537 रुपये की तेजी के साथ 83,750 रुपये पर खुला। इस समय यह 653 रुपये की तेजी के साथ 83,866 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में सोने-चांदी की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर

सोना 2,549.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

पिछला बंद भाव 2,537.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 4.40 डॉलर की तेजी के साथ 2,542.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.09 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.84 डॉलर था। इस समय यह 0.20 डॉलर की तेजी के साथ 29.05 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

सरकार एफडीआई निवेश सीमा बढ़ाकर 100 फीसदी करेगी!

नई दिल्ली ।

सरकार इंश्योरेंस में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को बढ़ाकर 100 फीसदी करने पर` विचार कर सकती है। अभी यह 74 फीसदी है। इस प्रस्ताव पर अधिकारी एक दूसरे से चर्चा कर रहे हैं। बता दें कि इस प्रस्ताव पर नियामक का समर्थन प्राप्त है। हालांकि इसके लिए राजनीतिक मंजूरी की जरूरत होगी क्योंकि इसमें बीमा अधिनियम में संशोधन शामिल हैं। इस बारे में जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र के लिए एफडीआई नियमों को आसान बनाने के कुछ प्रस्ताव भी शामिल हैं। इनमें टॉप मैनेजमेंट के कुछ सेगमेंट में भारतीयों को रखने के आदेश की भी समीक्षा की जा रही है। बता दें कि पिछले 9 साल के दौरान इंश्योरेंस सेक्टर में करीब 54 हजार करोड़ रुपये का एफडीआई आया है। एफडीआई में सरकार की ओर से नीतियों में ढील की वजह से इतनी रकम आई है। इससे विदेशी निवेशक बड़ी संख्या में भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। एफडीआई के अलावा कानून में संशोधनों का एक व्यापक सेट भी प्रस्तावित है। हालांकि इसका बिल कब लाया जाएगा, इसके बारे में अभी कोई समय तय नहीं हुआ है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग भी इसके लिए क्षेत्रीय मानदंडों और नियमों की समीक्षा कर रहा है। बीमा उपभोक्ता संबंधी क्षेत्रों में से एक है जो एफडीआई के लिए केवल आंशिक रूप से खुला है। वहीं अन्य सभी क्षेत्र एफडीआई के मामले में आगे बढ़ चुके हैं।

हेलमेट नहीं पहनने पर भी इंश्योरेंस कंपनी कम नहीं कर सकती क्लेम

-कर्नाटक उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया

नई दिल्ली ।

अगर बाइक चालक ने हेलमेट नहीं पहनना और ऐसी स्थिति में एक्सीडेंट हो जाता है तब भी इंश्योरेंस कंपनी क्लेम कम नहीं कर सकती ।हाल ही में कर्नाटक उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि यदि दुर्घटना के लिए बाइक सवार दोषी नहीं है, तो बीमा कंपनी हेलमेट न पहनने के कारण घायल बाइक सवार को मिलने वाले दावे की राशि कम नहीं कर सकती। बाइक एक्सिडेंट पर कम क्लेम मिलने के एक मामले में कर्नाटक हाई कोर्ट ने कहा, ÷हेलमेट पहनना सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन यह मुआवजे (की मात्रा) को कम करने का एकमात्र मानदंड नहीं होना चाहिए। मोटर वाहन दुर्घटनाओं में सहभागी लापरवाही की अवधारणा तभी सामने आती है, जब घायल पक्ष की खुद की लापरवाही दुर्घटना में योगदान देती है।÷ रामनगर जिले के सदाथ अली खान की बाइक 5 मार्च, 2016 को एक तेज रफ्तार कार से भिड़ गई। जिसमें उसकी मोटरसाइकिल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और खान को भी कई चोटें आईं। इसे. खान ने अपने इलाज में 10 लाख रुपये खर्च होने के बाद बीमा दावों की मांग करते हुए मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण का रुख किया। हालांकि, न्यायाधिकरण ने 24 सितंबर, 2020 के अपने आदेश में उन्हें मुआवजे के रूप में 5.6 लाख रुपये दिए, जिसमें कहा गया कि दुर्घटना के समय दावेदार ने हेलमेट नहीं पहना हुआ था। खान ने आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में दलील दी कि दुर्घटना के बाद वह अपनी 35,000 रुपये प्रति माह की नौकरी जारी रखने में असमर्थ हो गया था।

न्यायालय ने खान को दुर्घटना में शामिल कार के बीमाकर्ता द्वारा देय 6,80,200 रुपये का बढ़ा हुआ मुआवजा दिया। मालूम हो कि यदि कोई हेलमेट पहनकर बाइक नहीं चलाता है और उसका एक्सिडेंट हो जाता है, तो ऐसे में इंश्योरेंस कंपनी ग्राहक को मिलने वाली क्लेम की राशि कम कर देती हैं। इंश्योरेंस कंपनियों का तर्क होता है कि बाइक चालक ने हेलमेट नहीं पहना था इसलिए उसका क्लेम कम किया जा रहा है।

एफएमसीजी को उम्मीद, ग्रामीण बाजारों में बढ़ेगी बिक्री

नई दिल्ली ।

रोजमर्रा के उपयोग वाले उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) को उम्मीद है कि बढ़ती खाद्य महंगाई की चिंताओं के बावजूद ग्रामीण बाजारों में मांग में सुधार और अच्छे मानसून के कारण आगामी तिमाहियों में उनकी बिक्री में वृद्धि जारी रहेगी। ऐसे में छोटे दुकानदारों को बिक्री भी बढ़ेगी और उनकी आय में अच्छी बढ़ोतरी होगी। दिग्गज एफएमसीजी कंपनीज एचयूएल, आईटीसी, डाबर, ब्रिटानिया, नेस्ले और इमामी की जून तिमाही की आय में ग्रामीण बाजारों से अच्छी खबर और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिये मजबूत वृद्धि हुई है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि में उद्योग की मात्रा वृद्धि लगभग 6.6 प्रतिशत रही. हालांकि, कंपनियां खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ने से चिंतित हैं क्योंकि कॉफी और कोकोआ की कीमतें अप्रत्याशित रूप से बढ़ गई हैं। अनाज और अनाज की कीमतों में वृद्धि की संभावनाओं के बीच कुछ कंपनियों ने कीमतों में बढ़ोतरी का संकेत भी दिया है। डाबर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आगे चलकर ग्रामीण क्षेत्रों में हमारी बिक्री में वृद्धि होगी। उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि अच्छे मानसून, सुधरते वृहद आर्थिक संकेतकों और ग्रामीण-केंद्रित सरकारी खर्च के साथ एफएमसीजी मांग में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी। मे रिको के एक अ धिकारी ने कहा कि एफएमसीजी क्षेत्र में जून तिमाही में मांग के रुझान में क्रमिक सुधार जारी रहा, खुदरा मुद्रास्फीति, स्वस्थ रूप से आगे बढ़ रहे मानसून सत्र और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए सरकार के बजट में किये गये आवंटन से मात्रा रुझान में सुधार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि उच्च खाद्य मुद्रास्फीति और वर्षा का स्थानिक वितरण नजर रखने के लिहाज से महत्वपूर्ण कारक होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इस बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतकर टीम का सपना पूरा करेंगे : लियोन

सिडनी(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन का कहना है कि उनकी टीम इस साल के अंत में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतकर पिछले एक दशक का सूखा समाप्त करेगी। लियोन के अनुसार टीम पिछले दस साल से ट्रॉफी को हासिल नहीं कर पायी है पर इस बार उसका ये सपना पूरा किया जाएगा। साथ ही कहा कि अपनी टीम की जीत में वह अहम भूमिका निभाना चाहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने साल 2014-15 के बाद से ही अब तक बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीती है। इस दौरान उन्हें अपने घर में भी लगातार दो सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। 2020-21 में भारत 0-1 से पीछे था और एडिलेड में 36 रन पर ऑलआउट हो गया था लेकिन उसके बाद टीम ने मेलबर्न में जीती और ब्रिस्बेन में जीतकर ट्रॉफी आने नाम की। सिडनी में टेस्ट को बराबरी पर लाने में भारतीय टीम सफल रही। लियोनके अनुसार लगभग हर प्रारुप में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और सभी ट्रॉफी जीती पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाना उन्हें काफ़ी निराशाजनक लगता है। ऑस्ट्रेलिया को एकदिवसीय विश्व कप और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का ख़िताब जिताने वाले कप्तान पैट कमिंस अब तक बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतने वाली टीम में नहीं रहे हैं।

लियोन ने कहा, 10 साल से हमारा सपना पूरा नहीं हो पाया है। काफी लंबा समय हो गया है और मुझे पता है कि हम खासकर अपने घर पर चीजों को बदलने का इंतजार कर रहे हैं। ये सही है कि भारतीय टीम काफी अच्छी है और हमें बेहद कड़ी चुनौती मिलेगी पर मैं चीज़ों को बदलने और ट्रॉफी वापस पाने के लिए बेसब्र हूं। लियोन ने साथ ही कहा कि हम एक महान ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम बनने की राह पर हैं हालांकि हम निश्चित रूप से अभी वहां नहीं हैं लेकिन उससे दूर भी नहीं क्योंकि हम बेहतरीन क्रिकेट खेल रहे हैं।

विराट , रोहित को दलीप ट्रॉफी के लिए शामिल नहीं करने पर भड़के गावस्कर

–घरेलू क्रिकेट के लिए चयन प्रक्रिया पर उठाये सवाल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के रवैये पर नाराजगी जतायी है। गावस्कर ने कहा कि घरेलू क्रिकेट के लिए चयन प्रक्रिया सही नहीं है। इसमें वरिष्ठ खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा आदि को भी खेलना चाहिये। बीसीसीआई ने दलीप ट्रॉफी के लिए चार टीमों की घोष्णा की है। इसमें केएल राहुल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव और रवींद्र जडेजा भी शामिल किये गये हैं। पहले कहा गया था कि बोर्ड हर खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय मैचों के ब्रेक के दौरान घरेलू मैच खेलने के लिए कहेगा पर कुछ खिलाड़ियों को राहत दे दी। विशेषकर रोहित , विराट , बुमराह और पांड्या व मो शमी । जहां तक बुमराह की बात है उन्हें फिटनेस बनाये रखने के लिए आराम दिया गया है। हाल के समय में उनकी फिटनेस की समस्याओं को देखते हुए उनके वर्क लोड का ध्यान रखना जरूरी माना गया है। वहीं शमी हाल ही में अपनी सर्जरी से उबरे हैं ऐसे में उनको घरेलू क्रिकेट से राहत देना ठीक है पर पांड्या ने 2018 के बाद से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है इसके बाद भी वह घरेलू क्रिकेट नहीं खेल रहे।

रोहित और कोहली के न खेलने से लोगों को हैरानी हुई क्योंकि भारत को बांग्लादेश और न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लंबी टेस्ट सीरीज खेलनी है। गावस्कर ने रोहित और कोहली के दलीप ट्रॉफी से बाहर रहने पर चिंता जताई है और कहा है कि वे बिना ज्यादा अभ्यास के बांग्लादेश टेस्ट सीरीज खेलेंगे। गावस्कर ने कहा,चयनकर्ताओं ने कप्तान रोहित और विराट को दलीप ट्रॉफी के लिए नहीं चुना है, इसलिए वे बिना ज्यादा अभ्यास के बांग्लादेश टेस्ट सीरीज खेलेंगे। गावस्कर ने कहा कि जब कोई खिलाड़ी तीस साल की उम्र के करीब पहुंच जाता है तो उसके लिए उच्च स्तर बनाए रखना मुश्किल हो जाता है क्योंकि उसकी मांसपेशियों की याददाश्त कमजोर पड़ने लगती है और इसका एक ही उपाय है कि वह नियमित रूप से क्रिकेट खेले।उन्होंने कहा, बुमराह जैसे खिलाड़ी की पीठ की समस्या को देखते हुए उसका ध्यान रखना समझदारी है, लेकिन बल्लेबाजों को शामिल किया जाना था।

आईएसपीएल के दूसरे सत्र की घोषणा पर बोले सचिन , मैंने भी खेला है टेप बॉल से

मुंबई (एजेंसी)। टेनिस गेंद टूर्नामेंट 'इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) का दूसरा सत्र ठाणे के दादोजी कोंडादेव स्टेडियम में 26 जनवरी से नौ फरवरी 2025 तक होगा। इस टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा लेंगी। इसके लिए अक्टूबर से देश के पांच क्षेत्रों के 55 शहरों में ट्रायल होंगे।

इस टूर्नामेंट को लेकर अपने विचार व्यक्त करते हुए महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा कि उन्होंने भी बचपन में टेप बॉल से खेला है। साथ ही कहा कि इस प्रकार की गेंदों के सामने बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता। साथ ही कहा कि इसके अनुभव से ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रिवर्स स्विंग का सामना करने में उन्हें आसानी हुई। तेंदुलकर ने आईएसपीएल को लेकर उत्साह जताते हुए कहा कि स्टेडियम में 30,000 और इससे अधिक दर्शकों को आकर्षित करने वाले टूर्नामेंट में आने वाले समय में महिला क्रिकेटर भी शामिल होंगी। तेंदुलकर ने लीग के खास नियमों जैसे 50-50 और एक शॉट पर नौ रन देने के बारे में बात करते हुए कहा कि अगर हम बल्लेबाजों को कुछ फायदा दे रहे हैं तो गेंदबाजों को भी खेल में शामिल होने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने खेलने के दिनों में गेंद पर एक तरफ से टेप से चिपका देता था। इससे रिवर्स स्विंग का अभ्यास करता था जिससे कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में इसका सामना कर सकूं।

उन्होंने कहा कि मैंने सोचा कि क्यों ना इसे इस प्रारूप में शामिल किया जाए और अगर इसे लागू किया जाता है तो बल्लेबाज की तकनीक की भी परीक्षा होगी। लाल गेंद के मामले में जहां बल्लेबाजों को स्विंग होने पर अपने शरीर के करीब खेलना पड़ता है तो वहीं टेप वाली टेनिस गेंद के मामले में स्थिति पूरी तरह अलग होती है। तेंदुलकर ने कहा कि जो गेंदबाज ट्रायल और चयन के माध्यम से आए थे, वे टेप लगी गेंद से खेलने के आदी नहीं थे पर कुछ समय बिताने के बाद उन्होंने भी इसे सीख लिया।

आईसीसी युवा ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल कराने पर विचार कर रहा

दुबई (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) युवा ओलंपिक 2030 में क्रिकेट को शामिल कराने को लेकर विचार कर रहा है। भारत सरकार ने युवा ओलंपिक के 2030 संस्करण की मेजबानी में रुचि व्यक्त किसे जाने से भी आईसीसी का हौंसला बढ़ा है क्योंकि भारत में इस खेल के प्रति लोगों में दीवानगी है। आईसीसी का मानना है कि क्रिकेट को युवा ओलंपिक में शामिल किये जाने से विश्व स्तर पर क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ेगी। इसके साथ ही इसे खेलने वाले देशों की तादाद भी बढ़ेगी।

अभी एथलेटिक्स, बैडमिंटन, तीरंदाजी, बीच वॉलीबॉल, मुक्केबाजी, कैनोइंग, साइकिलिंग, गोताखोरी, घुड़सवारी, तलवारबाजी, फील्ड हॉकी, फुटबॉल, फुटसल, गोल्फ, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, जूडो, आधुनिक पेंटाथलॉन, रोइंग, रग्बी सेवन्स, नौकायन, शूटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस, तायक्वोंडो, टेनिस, ट्रायथलॉन, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, बास्केटबॉल, और कुश्ती ही यूथ ओलंपिक में शामिल किये गये हैं।

आईसीसी अधिकारियों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) का रुख भी इस प्रस्ताव को लेकर सकारात्मक ही रहने की उम्मीद है। इसका कारण है कि आईओसी भी क्रिकेट के महत्व और इससे ओलंपिक खेलों को होने वाले फायदे के बारे में भी जानता है। युवा ओलंपिक खेलों में 15 से 18 वर्ष के ही खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। आईसीसी का मानना है कि यदि भारत को युवा ओलंपि की मेजबानी मिलती है तो उसमें क्रिकेट को शामिल किये जाने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी क्योंकि आईओसी भी जानता है कि भारत में क्रिकेट को देखने वाले सबसे अधिक लोग हैं।इससे पहले साल 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट खेला जाएगा।

द हंड्रेड : दीप्ति ने अंतिम ओवर में छक्का लगाकर लंदन स्पिरिट को जीत दिलायी

लंदन । भारत की दीप्ति शर्मा की शानदार बल्लेबाजी से लंदन स्पिरिट ने महिलाओं के द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट को जीत लिया है । टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में स्पिरिट ने वेल्श फायर को हराया । इस मैच में लंदन स्पिरिट को जीत के लिए अंतिम तीन गेंदों पर चार रन चाहिये थे । ऐसे में दीप्ति ने छक्का लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी । इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है । वेल्श फायर ने इस मैच में लंदन स्पिरिट को जीत के लिए 116 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे टीम ने दीप्ति के छक्के के बल पर 2 गेंदें और 4 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया । दीप्ति ने इस मैच में 16 रनों की नाबाद पारी खेली । इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेल्श फायर ने निर्धारित 100 गेंदों पर 8 विकेट खोकर 115 रन बनाये थे । जेस जोनासेन ने सबसे अधिक 54 रन बनाये । उनके अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज अधिक रन नहीं बना पाया । वहीं इसके बाद खेलते हुए लंदन स्पिरिट को भी शुरुआती झटके लगे पर ओपनर जॉर्जिया रेडमेयने 34 रन बनाकर एक छोर संभाले रहीं ।

महाराजा टी20 लीग : द्रविड़ के बेटे समित की शानदार बल्लेबाजी के बाद भी मैसूर वॉरियर्स हारी

बेंगलुरु । भारतीय टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ ने यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जा रहे महाराजा टी20 लीग में शानदार बल्लेबाजी कर सबका ध्यान खींचा है । समित ने इस लीग में मैसूर वॉरियर्स की ओर से खेलते हुए गुलबर्गा मिस्टिक्स के खिलाफ शानदार पारी खेली हालांकि वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये । समित ने उस समय 33 रन की पारी रखी जब उनकी टीम ने 20 रनों के अंदर ही दो विकेट खो दिये थे । समित ने आकर कप्तान करुण नायर के साथ तीसरे विकेट के लिए अहम साझेदारी निभाते हुए टीम को संकट से उबारा। समित और करुण के बीच 83 रन साझेदारी हुई और इससे मैसूर वॉरियर्स की टीम 196 रन तक पहुंची । समित ने बल्लेबाजी के दौरान अपने पिता की तरह ही एक छोर संभाले रखा । इस उभरते क्रिकेटर ने 24 गेंदों पर 4 चौके और 1 छक्का लगाकर 33 रन बनाए । वह टूर्नामेंट के शुरुआती दो मैचों में विफल रहे थे पर इस मैच में उन्होंने अपने इरादे दिखा दिये। वहीं 197 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुलबर्गा मिस्टिक्स की टीम ने आखिरी गेंद पर चौके से मुकाबला जीत लिया । गुलबर्गा की जीत में रविचंद्रन स्मरण की अहम भूमिका रही । इस बल्लेबाज ने 60 गेंदों पर 104 रन की नाबाद पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी ।

रसेल और होल?डर के बिना ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में उतरेगी वेस्टइंडीज

जमैका । वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इसी माह 24 अगस्त से शुरु हो रही तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्?यीय टीम घोषित कर दी है । इस टीम में मेजबान टीम ने ऑलराउंडर्स आंद्रे रसेल और जेसन होल्डर को शामिल नहीं किया है । इन दोनो के अलावा काइल मेयर्स को भी टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं स्पिन ऑलराउंडर फेबियन एलेन, तेज गेंदबाज मैथ?यू फोर्ड और प्रतिभाशाली बल्लेबाज एलिक एथांजे को शामिल किया गया है । क्रिकेट वेस्टइंडीज के निदेशक माइल्स बासकोंब ने कहा कि रसेल और होल्डर को तरोताजा होने के लिए आराम दिया गया है । उन्होंने कहा, रसेल और जेसन ने ब्रेक की मांग की थी । होल्डर ने इंग्लैंड व दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार पांच टेस?ट खेले हैं । वहीं टीम के डैरेन सैमी ने कहा कि उनकी टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज को लेकर उत्साहित है और पूरी ताकत से दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला करेगी । हमने उनके खिलाफ हाल में खेला था जिसमें परिणाम मिले-जुले रहे थे। यह अहम और उत्साहजनक सीरीज रहेगीह। मुझे विश्वास है कि हमने जिस टीम का चयन किया, वो सफलता पाने के लिए बेहतर प्रदर्शन करेगी ।वेस्टइंडीज ने पिछली पांच द्विपक्षीय टी20 सीरीज में से चार जीती थीं जिससे भी मेजबानों का हौंसला बढ़ा है ।

वेस्टइंडीज दल- रोवमैन पॉवेल (कप्तान), रोस्टन चेज (उप-कप्तान), एलिक एथांजे, जॉनसन चार्ल्स, मैथ्यू फोर्ड, शिमरोन हेटमायर, फेबियन एलेन, शाई होप, अकील हुसैन, शमार जोसेफ, ओबेड मैकॉय, गुडाकेश मोती, निकोलस पूरन, शेरफेन रदरफोर्ड और रोमारियो शेफर्ड ।

मोहम्मद शमी की रणजी ट्रॉफी में वापसी, इस टीम से खेलेंगे मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी) । टखने की सर्जरी के बाद रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने की प्रक्रिया) के दौर से गुजर रहे सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के रणजी ट्रॉफी में अपनी घरेलू टीम बंगाल के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने की संभावना है। वह इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की श्रृंखला में किसी 1 टेस्ट मैच में खेल सकते हैं। समझा जाता है कि शमी 11 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश और 18 अक्टूबर को बिहार के खिलाफ बंगाल के शुरुआती 2 रणजी मैचों में किसी एक मैच में खेल सकते है। इन दोनों मैचों के बीच सिर्फ 2 दिन का समय है ऐसे में इस बात की संभावना कम है कि वह दोनों मैचों का हिस्सा होंगे।

न्यूजीलैंड टेस्ट श्रृंखला 19 अक्टूबर से बेंगलुरु में शुरू होगी, उसके बाद पुणे (24 अक्टूबर) और मुंबई (एक नवंबर) में टेस्ट होंगे। ऑस्ट्रेलिया के मुश्किल दौरे पर जाने से पहले शमी के इनमें से एक मैच खेलने की उम्मीद है। भारत के बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक 34 साल के शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले साल 19 नवंबर को अहमदाबाद में खेले गये एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के बाद से टीम से बाहर है।

इस साल फरवरी में इंग्लैंड में उनके टखने की सर्जरी हुई थी जिसके बाद वह 6 महीने के लिए खेल से दूर हो गए थे। इंस्टाग्राम पर साझा कुछ वीडियो में शमी बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (ह्ष्ट) में अपने आरटीपी रूटीन (खेल में वापसी) में छोटे रनआप के साथ कम गति वाली गेंदबाजी करते देखे गए हैं। ऐसी खबरें थीं कि वह दलीप ट्रॉफी के लिए उपलब्ध हो सकते हैं।

यह पता चला है कि दलीप ट्रॉफी के दौरान उनके फिट होने की कोई संभावना नहीं थी और चयनकर्ता जल्दबाजी कर कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। भारतीय टीम प्रबंधन की प्राथमिकता देश के शीर्ष 3 तेज गेंदबाजों (जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज) को ऑस्ट्रेलिया में होने वाले 5 टेस्ट मैचों के लिए फिट रखना है। शमी ने अब तक 64 टेस्ट मैचों में 229 विकेट लिए है। उन्होंने इस दौरान छह बार पारी में 5 विकेट चटकाए है।

पाक सरकार पर भड़के पूर्व हॉकी खिलाड़ी

कराची । पाकिस्तान के पूर्व ओलंपियन हॉकी खिलाड़ियों ने सरकार पर अपमान करने का आरोप लगाया है । इन हॉकी खिलाड़ियों ने कहा है कि ओलंपिक स्वर्ण विजेता अरशद नदीम के सम्मान में आयोजित रात्रिभोज समारोह को लेकर उन्हें जो निमंत्रण दिया गया था । उसे अंतिम समय में वापस ले लिया गया । पूर्व हॉकी खिलाड़ी नदीम काजिम ने कहा कि अतिथि प्रबंधन के नाम पर निमंत्रण पत्र पास लिए जाने से सभी पूर्व खिलाड़ी नाराज हैं । नाजिम ने कहा कि प्रधानमंत्री सचिवालय ने इस समारोह में शामिल होने के लिए हमें निमंत्रण के साथ ही एक ईमेल भी भेजा आ पर अंतिम समय में संदेश मिला कि मेहमानों की संख्या अधिक होने से हो रही परेशानी को देखते हुए आमंत्रण वापस ले लिया गया है । उन्होंने इसे दुखद बताते हुए कहा कि देश के लिए हॉकी में एक से अधिक ओलंपिक पदक जीतने वाले हॉकी खिलाड़ियों के साथ क्या आप इस तरह का व्यवहार किया जाना निराशाजनक है । सरकार को भूलना नहीं चाहिये कि उसे शुरुआत में हॉकी में ही पदक मिला था । पाकिस्तान की हॉकी टीम ने ओलंपिक में तीन स्वर्ण और एक कांस्य पद जीता है । उसे अंतिम बार लॉस एंजिल्स ओलंपिक में कांस्य पदक मिला था ।

इगा स्वियातेक हारी, यानिक सिनर सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में

मेसन (अमेरिका) । विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया, लेकिन महिला वर्ग में शीर्ष खिलाड़ी इगा स्वियातेक को आर्यना सबालेंका से हार का सामना करना पड़ा । सबालेंका फाइनल में अमेरिकी जेसिका पेगुला से भिड़ेंगी, जबकि सिनर का सामना फ्रांसिस टियाफो से होगा । इटली के खिलाड़ी सिनर ने तीन घंटे, सात मिनट तक चले मैच में 7-6(9) 5-7 7-6(4) से जीत दर्ज की । टियाफो ने एक अन्य सेमीफाइनल में होल्गर रूण को 4-6, 6-1, 7-6 (7-4) से पराजित किया। महिलाओं के सेमीफाइनल में सबालेंका ने स्वियातेक को 6-3 6-3 से हरा कर पहली बार सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में जगह बनाई । इससे पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक का पिछले 15 मैच से चला आ रहा विजय अभियान भी थम गया । छठी वरीयता प्राप्त पेगुला ने बारिश से प्रभावित दूसरे सेमीफाइनल में पाउला बडोसा को 6-2, 3-6, 6-3 से हराया ।

चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले नयी फ्लड लाइट में खेले जाएंग : पीसीबी

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) आजकल चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों में लगी है । इस आईसीसी टूर्नामेंट की सफल मेजबानी करने में कोई समस्या न आये इसको देखते हुए पीसीबी स्टेडियम में सुविधाएं बढ़ाने के साथ ही कराची और लाहौर के स्टेडियमों में नयी फ्लडलाइट लगाने जा रहा है । पीसीबी कराची और लाहौर में नए लाइट टावर लगाने के अलावा, व्यस्त घरेलू कार्यक्रम को देखते हुए क्वेटा, एबटाबाद, पेशावर जैसे छोटे स्थानों पर भी फ्लड लाइट लगायेगी । इसके अलावा पीसीबी ने कराची में पहले से लगी फ्लड लाइट को क्वेटा और लाहौर में लगी फ्लड लाइट को रावलपिंडी में लगाने का फैसला किया जिससे लागत कम होगी। वहीं कराची और लाहौर को नये लाइट टावर मिलेंगे। पीसीबी ने अगस्त 2024 और जुलाई 2025 तक के समय के लिए किराये के आधार पर लाइट टावर उपलब्ध कराने के लिए कंपनियों से निविदाएं मांगी हैं । बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि इस सब में कितनी लागत आयेगी ये अभी से पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता । साथ ही कहा, ''इस प्रक्रिया से हम यह तय करना चाहते है कि घरेलू क्रिकेट के लिए छोटे स्थान भी लाइट टावरों से लैस हों। इसके तहत ही कराची, लाहौर और रावलपिंडी जैसे स्टेडियम जहां अधिकांश अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाते है वहां अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार टावर लगाए जाएंगे ।'' पीसीबी ने कहा कि देश में बिजली की कमी को देखते हुए कराची, लाहौर, रावलपिंडी, मुल्तान सहित कई अन्य स्थलों पर जेनरेटर भी लगाये जाएंगे ।

मुझे जो प्यार और इज्जत मिली वह 1000 ओलिम्पिक गोल्ड से अधिक है : विनेश फोगाट

नई दिल्ली (एजेंसी) । विनेश फोगाट का देश लौटने पर भव्य स्वागत हुआ। दिल्ली के हवाईअड्डे के बाहर सैकड़ों समर्थकों ने आकर एकजुटता दिखाई और पहलवान का हौसला बढ़ाया। विनेश को पैरिस ओलिम्पिक में 50 किग्रा वर्ग के फाइनल मुकाबले से पहले वजन ज्यादा होने के कारण अयोग्यता झेलनी पड़ी थी। बहरहाल, विनेश के स्वागत में बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक के साथ कई नेता जुटे। भारी मालाएं पहने विनेश खुली जीप में खड़ी हुईं और सभी समर्थकों को धन्यवाद दिया। कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा विनेश के साथ गए और उन्हें मिठाई खिलाई। उन्होंने विनम्रता से हाथ जोड़कर कहा कि मैं समर्थन के लिए पूरे देश को धन्यवाद देती हूं।

विनेश के लिए राष्ट्रीय राजधानी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी। विनेश का कारवां जब हरियाणा में उनके पैतृक गांव बलाली के लिए रवाना हुआ और रास्ते में वह विभिन्न स्थानों पर तैनात अपने समर्थकों से मिलीं। हुड्डा ने विनेश को %जीत का प्रतीक% गदा भेंट की, विनेश भावुक हो गईं और उनके पति सोमवीर ने उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान हुड्डा ने विनेश के लिए एक्स पर लिखा- हमारी नजर में आप पहले भी विजेता रहे हैं और भविष्य में भी विजेता रहेंगे। आपके साहस, संघर्ष और दृढ़ संकल्प ने न केवल करोड़ों देशवासियों का दिल जीता है बल्कि आप देश के करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। बहरहाल, बलाली की ओर जाने से पहले विनेश ने दिल्ली के द्वारका में एक मंदिर में प्रार्थना भी की। फोगाट के काफिले के साथ कारों के काफिले में पहलवान की ताजा छपी तस्वीरें थीं, जिस पर कैप्शन लिखा था- माहरी छोरी, खरा सोना (मेरी बेटी, शुद्ध सोना)।

खेल पंचाट (सीएएस) में अपनी अयोग्यता को चुनौती देने और संयुक्त रजत की मांग करने के बाद विनेश पैरिस में ही रुक गई थीं। बुधवार को विनेश की अर्जी खारिज हो गई थी। साक्षी मलिक ने कहा, भले ही उसे पदक नहीं मिला हो, लेकिन वह हमारे लिए चैम्पियन है। वह इतने लंबे समय के बाद अपने देश वापस आई है। वह काफी इमोशनल भी हैं। वह परिवार के साथ समय बिताएंगी और खुद को शांत करेंगी। विनेश ने महिलाओं के लिए जो किया है वह सराहनीय है। विनेश के काफिले के दौरान हरियाणवी लोक संगीत चला जिसके साथ ÷संघर्ष÷ और ÷क्रांति÷ के नारे लगाए गए। रोड पर ट्रैफिक जाम हो गया वाहन चालक विनेश को देखने के लिए रुक गए थे। फोगट और पुनिया ने जोशीली भीड़ का सामना किया और बुजुर्ग उन्हें आशीर्वाद देने के लिए आगे आए। हर चौराहे पर फोगाट की एसयूवी को सेल्फी लेने वालों की भीड़ ने रोक लिया।

लंदन ओलिम्पिक के कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग, जोकि पैरिस में भारतीय दल के शेफ डी मिशन थे, ने पेरिस हवाई अड्डे पर विनेश के साथ एक तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्हें चैम्पियन कहा। नारंग ने एक्स पर लिखा- वह खेल गांव में पहले दिन एक चैम्पियन के रूप में आई थी और वह हमेशा हमारी चैम्पियन बनी रहेगी। कभी-कभी करोड़ों सपनों को प्रेरित करने के लिए किसी को ओलिम्पिक पदक की आवश्यकता नहीं होती...। विनेशफोगट आपने पीढ़ियों को प्रेरित किया है। आपके धैर्य को सलाम।

भाई हरविंदर फोगट ने कहा कि लोग हमारे गांव में उनके स्वागत का इंतजार कर रहे हैं। लोग विनेश से मिलने और उसे प्रोत्साहित करने के लिए उत्साहित हैं। इस ताकतवर पहलवान ने अपनी अयोग्यता के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में शनिवार को कहा कि अलग-अलग परिस्थितियों÷ में वह खुद को 2032 तक प्रतिस्पर्धा में देख सकती हैं क्योंकि उनके पास अभी भी बहुत सारी कुश्ती बाकी है, लेकिन अब वह अपने भविष्य के बारे में अनिश्चित हैं। शायद फिर कभी वैसा न हो।

बता दें कि अयोग्य ठहराए जाने के बाद विनेश ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। सोशल मीडिया पर एक भावनात्मक पोस्ट में, विनेश ने अपने बचपन के सपने, अपने पिता को खोने के बाद झेली कठिनाइयों को साझा किया था। इस दौरान उन्होंने अपनी असाधारण यात्रा में लोगों द्वारा किए गए योगदान को भी चिन्हित किया।

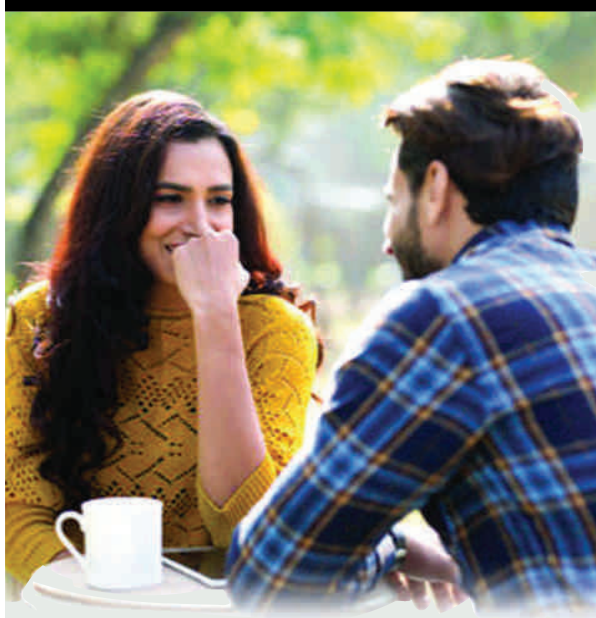

शादीशुदा जिंदगी में इन बातों को करें फॉलो

लड़ाई-झगड़ा, प्यार-मोहब्बत, हर रिश्ते में होना लाजमी है। लेकिन अगर ये झगड़ा बहुत ज्यादा होने लगे तो ये अच्छा नहीं होता क्योंकि इससे रिश्ते टूट सकते हैं। किसी भी रिश्ते में लड़ाई होना बेहद खराब है, हां हल्की-फुल्की नोक झोंक तो हर घर में होती है, पर जब ये ज्यादा होने लगे तो खतरे की घंटी साबित हो सकती है। अगर आपके रिश्ते में ऐसा कुछ हो रहा है तो आप कुछ टिप्स फॉलो कर सकते हैं। आइए, जानते हैं-

विश करें

तो क्या हुआ कि आपकी शादी को कई साल हो चुके हैं, प्यार को बरकरार रखने के लिए आपको हर चीज करनी चाहिए। भले ही आप दोनों के उठने का समय अलग है लेकिन आप दोनों को सुबह एक दूसरे को गुड मॉर्निंग विश करना चाहिए। साथ ही रात में सोने पर भी आपको गुड नाइट विश करके सोना चाहिए। ये एक अच्छी आदत होने के साथ-साथ आपके रिश्ते को जीवित रखने में मदद करता है।

फूल

फूल किसे पसंद नहीं होते, इन दिनों फेस्टिव सीजन है तो यकीनन आपकी वाइफ भी रोजाना अच्छे से तैयार होती होंगी। ऐसे में उनको आप फूल दे सकते हैं। वह इसे अपने बालों में लगा सकती है और ये सच में काफी रोमांटिक होगा।

तारीफ

एक दूसरे की तारीफ करें। आप अपने पार्टनर की किसी फोटो या फिर वो दिन भर कैसी लग रही थी इस बात की तारिफ करें। रोजाना आप दोनों मेहनत करते हैं तो ऐसे में एक दूसरे के काम की तारीफ भी कर सकते हैं।

हाई हील पहनने की हैं शौकीन, पूरे दिन पहनकर रखने के लिए अजमाएं ये हैक्स

हील्स पहनना अधिकतर महिलाओं को पसंद होता है। हील्स पहनने के लिए किसी भी परफेक्ट आउटफिट पहनने की जरूरत नहीं होती, बल्कि किसी भी लुक को परफेक्ट बनाने के लिए आप हील्स पहन सकते हैं। हील्स की एक खासियत यह भी है कि यह पैरों को ज्यादा लंबा दिखाते हैं, जिससे आपका लुक और भी ज्यादा अट्रैक्टिव लगता है। हाई हील्स के साथ एक समस्या यह होती है कि यह बहुत ज्यादा देर तक आपको कंफर्टेबल महसूस नहीं करवाते हैं। इसलिए अगर आप ऑफिस में या फिर किसी मैरिज फंक्शन आदि में पहन रही हैं तो हो सकता है कि आपको पैरों में दर्द का एहसास होने लगे। तो जानते हैं हाई हील्स से जुड़े कुछ हैक्स के बारे में।

हैक 1

डबल टेप का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे आप तलवे से चिपका दें। यह ट्रिक आपके फुटवियर को पैरों पर ज्यादा आरामदायक तरीके से रखेगी। साथ ही इसके कारण होने वाले फफोले और पैर की उंगलियों में दर्द काफी हद तक कम हो जाएगा।

हैक 2

हील्स में आप इनसोल्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये सिलिकॉन या कपड़े से बने होते हैं। यह आपके पैरों को हाई हील्स में आगे बढ़ने से रोकते हैं, साथ ही आरामदायक भी होते हैं।

हैक 3

पार्टी में अक्सर हील्स उतारने का मन करता है, लेकिन आप ऐसा करने से बचें क्योंकि जब आप हील्स उतारते हैं तो उस पल तो आपको राहत मिल जाती है लेकिन कई बार ऐसा करते ही पैरों में सूजन आ जाती है और फिर जब आप हील्स दोबारा पहनती हैं तो पैरों में ज्यादा दर्द होता है।

हर लड़की को सीखनी चाहिए ये चीजें

यूं तो आज लड़कियां लड़कों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में, उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है। बावजूद इसके आज जानते हैं वो 5 चीजें जिन्हें होम मेकर हो या कोई प्रोफेशनल लड़की, जरूर सीखना चाहिए।

अकाउंट्स मेनटेन रखना

घर संभालना हो या फिर बाहर रहकर नौकरी करते हुए अपने खर्चों को करना हो मैनेज, लड़कियों को अपने फाइनेंशियल डिसीजन खुद लेने आने चाहिए। इसके लिए उन्हें सबसे पहले अपना अकाउंट्स मेंटेन करना जरूर आना चाहिए। आप ऐसा करते हुए आप अपने खर्चों पर भी खुद नजर रख पाएंगी। इसके अलावा लड़कियों को समय पर टैक्स रिटर्न भरना भी जरूर सीखना चाहिए। अपने रिटायरमेंट प्लान से लेकर सेविंग्स तक की प्लानिंग के लिए अपने पैसे को समझदारी से इन्वेस्ट करें।

साइन करने से पहले हर कागज को अच्छे से पढ़ें

ज्यादातर लोग अक्सर किसी डॉक्यूमेंट या कागज को बिना पढ़े ही साइन कर देते हैं। आपकी ये आदत आपको भविष्य में नुकसान पहुंचा सकती है। लड़कियों का मन कोमल होता है। आपका किसी पर विश्वास करना उचित है बावजूद इसके आपको समझदारी से काम लेना भी आना चाहिए। ऐसे में कभी भी किसी भी लीगल या जरूरी डॉक्यूमेंट्स पर साइन करने से पहले उसे जरूर अच्छे से पढ़ें।

बेसिक सेल्फ डिफेंस स्किल्स

वक्त चाहे कोई भी क्यों न हो, आप अपनी किस्मत को आजमाने के लिए रात या दिन का इंतजार थोड़े ही करेंगे। रात हो या दिन, आपको अपनी सुरक्षा के लिए बेसिक सेल्फ डिफेंस मूव्स जरूर आने चाहिए ताकि आप मौका पड़ने पर किसी भी जगह सुरक्षित रह सकें। आप इसके लिए वीकेंड पर सेल्फ डिफेंस कोर्स कर सकती हैं।

सिग्नेचर डिश

हर व्यक्ति अपनी किसी न किसी खासियत की

घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में लड़कियों ने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है।

वजह से लोगों के बीच पहचाना जाता है। ऐसे में आप भी अपनी किसी सिग्नेचर डिश की वजह से लोगों के बीच फेमस हो सकते हैं। जब आप डिनर या पार्टी के लिए लोगों या दोस्तों को अपने घर बुला रही हैं तो मेन्यू में आपकी एक सिग्नेचर डिश तो होनी ही चाहिए जिसका स्वाद वो सालों-साल याद रखें।

कार का टायर बदलना

अक्सर लोगों को लगता है कि गाड़ी का टायर बदलने का काम सिर्फ लड़के ही अच्छा कर सकते हैं। लेकिन अगर आप भी ड्राइव करती हैं तो यह काम आपको भी जरूर सीखना चाहिए वरना आप कभी भी मुश्किल में पड़ सकती हैं।

डेटिंग प्रोफाइल के लिए फोटो चूज करने में इन टिप्स की लें मदद

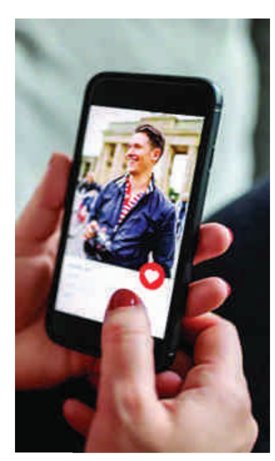

ऑनलाइन डेटिंग करना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में जब आप ऑनलाइन प्रोफाइल को सेट करते हैं तो आप पूरी तरह से सभी कुछ बेस्ट करने की कोशिश करते हैं। जिसे देख आसानी से कोई भी इंप्रेस हो जाए। हालांकि आपको इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि आपके प्रोफाइल का बायो पूरी तरह से आपको डिस्क्राइब करना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तभी आप ज्यादा से ज्यादा मैच पा सकते हैं। इन सभी के साथ ये भी जरूरी है कि आप एक सही प्रोफाइल फोटो चूज करें। ऐसे में आप जब भी डेटिंग प्रोफाइल फोटो चूज करें तो कुछ बातों को ध्यान में रखें। तो चलिए जानते हैं कुछ टिप्स के बारे में जिनकी मदद से आप अपनी प्रोफाइल फोटो सेट कर सकत हैं।

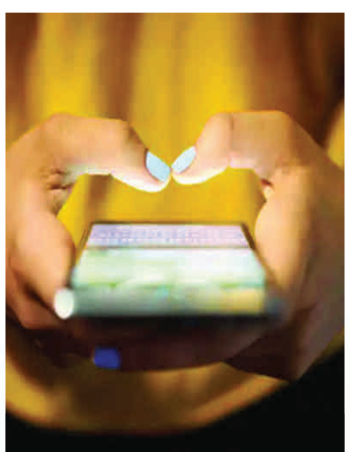

टिप 1

ऐसी फोटो चूज न करें जिसमें आपका चेहरा क्लीयर न हो, या फिर आपका चेहरा दिख ही न रहा हो। ये फोटो अच्छा ऑप्शन नहीं होगा क्योंकि सामने वाले को आपकी फोटो ही नहीं दिखेगी। ऐसी फोटो चुने जिसमें आप पूरी तरह से दिख रहे हों।

टिप 2

कई बार लोग डेटिंग एप पर ग्रुप फोटो लगाते हैं, ऐसे में सामने वाले को ये कंफ्यूजन हो सकता है कि प्रोफाइल किसकी है। तो ध्यान रखें की फोटो सिर्फ आपकी हो न की ग्रुप फोटो हो।

टिप 3

ऑनलाइन डेटिंग एप पर अगर आप फोटो स्लेक्ट कर रहे हैं तो ऐसी फोटो लगाएं जो आपको डिस्क्राइब करे। अगर आपको कैंपिंग पसंद है तो आप कैंपिंग की फोटो लगा सकते हैं या फिर अगर आपको बुक्स पढ़ना पसंद है तो किसी लाइब्रेरी की फोटो लगा सकते हैं।

टिप 4

एक ऐसी फोटो लगाएं जिसमें आप कॉन्फिडेंट नजर आ रहे हैं। कई बार लोग अपने कपड़ों के साथ कॉन्फिडेंट नहीं होते हैं फिर भी उन कपड़ों में वह प्रोफाइल फोटो लगा सकते हैं।

कहीं आपकी चांदी की ज्वेलरी नकली तो नहीं है ? ऐसे जानें

सोना और प्लेटिनम की तरह ही चांदी भी एक लोकप्रिय धातु है। आमतौर पर लोग सोने और चांदी के गहने पहनना पसंद करते हैं और वास्तव में चांदी के गहने दिखने में खूबसूरत भी लगते हैं। जब बात चांदी के गहनों को आती है तो लोग मुख्य रूप से इसकी पायल और बिछिया पहनते हैं। चांदी एक कीमती धातु है जो बहुतायत में पाई जाती है और इसका उपयोग गहनों के अलावा पूजा के सिक्के, सजावटी सामान, मूर्तियां और अन्य टिकाऊ वस्तुएं जैसे बर्तन बनाने के लिए भी किया जाता है।

यह एक नरम धातु है और यदि आप अपनी चांदी से बनी चीजों की उचित देखभाल करते हैं, तो यह लंबे समय तक नए जैसी बनी रहती हैं। चाहे आप चांदी के झुमके की एक जोड़ी खरीदें या स्टर्लिंग चांदी से बनी चांदी की अंगूठी और पायल, यदि आप इसकी अच्छी देखभाल करेंगी तो या सालों साल नयी जैसी बनी रहेंगी। लेकिन देखभाल के साथ आपके लिए इन्हें खरीदते समय इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि आप जो चांदी खरीद रही हैं वो असली और शुद्ध है या नहीं। वास्तव में यदि आप नकली चांदी खरीदेंगी के बाद भी ये जल्दी ही खराब होने लगती है। आइए जानें कि आप किन युक्तियों से इस बात का पता आसानी से लगा सकती हैं कि आपकी चांदी असली है या नहीं।

लेबल की जांच करें

चांदी की वस्तु असली है या नकली यह जांचने के लिए आभूषण पर लेबल की जांच करना। यदि उस पर एक छोटा लेबिल है जिसमें स्टर' या 'स्टर्लिंग' प्रिंट है, तो इसका मतलब है कि वस्तु

चांदी या चांदी चढ़ाया हुआ। जब भी चांदी की वस्तुओं को अंतरराष्ट्रीय या घरेलू स्तर पर बेचा जाता है, तो एक हॉलमार्क ट्रेड स्टैम्प होता है जो धातु को प्रमाणित करता है। किसी दुकान से चांदी की वस्तु खरीदने से पहले, हमेशा 'स्टर्लिंग' के मानक स्टैंप की जांच जरूर करें।

मैग्नेट टेस्ट

मैग्नेट का उपयोग करके यह जांचने का एक और अच्छा तरीका है कि आपने जो चांदी खरीदी है वह असली है या नकली। यदि आपके घर में कोई भी चुम्बक पड़ा हुआ है, तो आप इसका उपयोग

प्रदर्शित करती है। इसके लिए एक मैग्नेट का प्रयोग करें और उसे चांदी की वस्तु के करीब लाएं जिसे आप जांचना चाहते हैं और देखें कि क्या यह मैग्नेट से मजबूती से चिपकती है। यदि ऐसा है तो समझ लें कि ये असली चांदी नहीं है।(मोतियों की ज्वेलरी की ऐसे करें केयर)

आइस क्यूब टेस्ट

चांदी के शुद्ध होने या न होने की जांच करने का एक और आसान तरीका बर्फ के टुकड़े का उपयोग करना है। यह विधि चांदी के सिक्कों और अन्य चांदी की वस्तुओं के सपाट सतहों के परीक्षण के लिए आदर्श है। चांदी के सिक्के या गहनों पर आइस क्यूब रखें। यदि आइस क्यूब जल्दी पिघलती है, तो आपके पास जो चांदी की वस्तु है वह असली है। दरअसल चांदी में किसी सामान्य धातु की तुलना में अत्यधिक मात्रा में थर्मल कंडक्टिविटी होती है जो बर्फ को तुरंत पिघला देती है।

वजन परीक्षण

चांदी अधिकांश धातुओं की तुलना में ज्यादा हैवी होती है। इस धातु के वजन में एक विशिष्ट व्यास और मोटाई होती है। यदि चांदी का वजन कम होता है, तो यह स्टर्लिंग चांदी के बजाय हल्के चांदी के मिश्र धातुओं से बनी हो सकती है। यदि इसका वजन अधिक है, तो

आमतौर पर चांदी की परत वाली वस्तुओं की तुलना में ठंडी होती है और चमकदार होती है।

ब्लीच टेस्ट

चांदी की धातु की प्रामाणिकता की जांच के लिए ब्लीच का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस चांदी की वस्तु पर ब्लीच की एक बूंद डालें। ब्लीच जैसे ऑक्सीडाइजिंग केमिकल के संपर्क में आने के बाद अगर यह धूमिल हो जाए तो यह असली चांदी है। ब्लीच के संपर्क में आने पर असली चांदी तुरंत काली हो जाएगी जबकि नकली धातु पर ब्लीच का कोई असर नहीं होता है। लेकिन

हिस्से में ही ब्लीच डालें।

इन सभी युक्तियों से आप अपनी चांदी के गहनों की जांच कर सकते हैं और ये पता लगा सकते हैं कि चांदी असली है या नकली।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बांग्लादेश हिंसा पर यूएन की आई रिपोर्ट, 27 दिनों में 650 मौतें, अल्पसंख्यकों पर जानलेवा हमला

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (यूएनएचसीआर) ने एक प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा है कि 16 जुलाई से 11 अगस्त के बीच बांग्लादेश में अशांति के दौरान हिंसक घटनाओं में लगभग 650 लोग मारे गए। इस रिपोर्ट में न्यायेतर हत्याओं, मनमानी गिरफ्तारियों और लोगों को हिरासत में लिये जाने की गहन, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच का सुझाव दिया गया है। 'बांग्लादेश में हालिया विरोध प्रदर्शन और अशांति का प्रारंभिक विश्लेषण' शीर्षक वाली 10-पृष्ठ की रिपोर्ट के अनुसार, 16 जुलाई से चार अगस्त के बीच करीब 400 मौतें हुईं, वहीं पांच और छह अगस्त के बीच विरोध प्रदर्शनों के हिंसक रूप लेने के बाद लगभग 250 लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि मरने वालों में प्रदर्शनकारी, राहगीर, पत्रकार और सुरक्षा बल के कई जवान शामिल थे। इसमें कहा गया है कि हजारों प्रदर्शनकारी और राहगीर घायल हुए तथा अस्पताल अत्यधिक मरीजों से भरे हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौतों की संख्या संभवत: कम आंकी गई है, क्योंकि कर्फ्यू और इंटरनेट बंद होने के कारण आवाजाही पर प्रतिबंधों के कारण सूचना संग्रह में बाधा आ रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अधिकारियों ने अस्पतालों को मारे गए और घायल हुए लोगों का विवरण देने से रोका। रिपोर्ट में कहा गया है, 'ऐसे मजबूत संकेत हैं कि सुरक्षा बलों ने हालात से निपटने के लिए अनावश्यक और अत्यधिक बल का प्रयोग किया। इसलिए इन सबकी स्वतंत्र जांच की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार, 'कथित उल्लंघनों की गहन, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की आवश्यकता है, जिनमें न्यायेतर हत्याएं, मनमाने ढंग से गिरफ्तारियां और हिरासत, जबरन गायब कर दिया जाना, यातना और दुर्व्यवहार तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गंभीर प्रतिबंध शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क के कार्यालय ने प्रारंभिक रिपोर्ट जारी करते हुए बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के विरुद्ध हिंसा सहित मानवाधिकार उल्लंघनों और हिंसा के लिए जिम्मेदार सभी लोगों की जवाबदेही की आवश्यकता पर बल दिया। सभी मानवाधिकार उल्लंघनों की व्यापक, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच का आह्वान करते हुए तुर्क ने यह भी कहा कि दक्षिण एशियाई देश में परिवर्तन एक ऐतिहासिक अवसर है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि शासन मानवाधिकारों, समावेशिता और कानून के शासन पर आधारित हो।

खैबर पख्तूनख्वा में थाने पर आतंकी हमला, टीआई समेत दो की मौत

करांची। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में एक पुलिस थाने पर आतंकी हमले में टीआई समेत दो पुलिसकर्मी शहीद हो गए। पुलिस ने बताया कि हथियारों से लैस आतंकवादियों ने खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के आतंकवाद प्रभावित लक्की मरवत जिले में बरगई पुलिस थाने पर रविवार देर रात हमला किया। पुलिस के मुताबिक हमले में एक पुलिसकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल टीआई ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उसने बताया कि मुठभेड़ के दौरान टीआई को कई गोलियां लगी थीं। हमले से पहले आतंकवादी पुलिस थाने के पास ही एक घर में छिपे हुए थे। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में रविवार को एक अन्य हमले में आतंकवादियों ने 'फ्रंटियर कॉन्स्टेब्युलरी' के वाहनों को निशाना बनाया, जिससे उसमें सवार दो जवान शहीद हो गए और तीन घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अमेरिका में कोरोना फिर पसार रहा पैर, सीवेज का पानी बन रहा वजह

वॉशिंगटन। अमेरिका में फिर कोविड महामारी अपने पैर पसाने लगी है। देश में पिछले दो साल में सबसे ज्यादा कोविड मरीज मिले हैं। एक रिपोर्ट में बताया कि इसकी पुष्टि यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के वेस्टवाटर डैशबोर्ड ने की है जिसमें बताया गया है कि अमेरिका में कोविड-19 की एक बड़ी लहर चल रही है। इसका खुलासा लोगों के घरों से निकलने वाले सीवेज का पानी (अपशिष्ट जल) है। सीडीसी ने बताया है कि अपशिष्ट जल में वायरल गतिविधि का माप बढ़कर 8.82 हो गया है, जो जुलाई 2022 में 9.56 से थोड़ा ही कम है। वर्तमान में अमेरिका के पास कोविड वायरस के स्तर का पता लगाने के लिए सीवेज का पानी ही एकमात्र उपाय है। सीडीसी का कहना है कि सबसे ताजा डेटा अधूरा है और इसमें बदलाव हो सकता है। अमेरिका में मई में कोविड के फिर से बढ़ने से पहले यह 1.36 था। सीडीसी के अपशिष्ट जल निगरानी कार्यक्रम के डिप्टी डायरेक्टर डॉ जोनाथन योडर ने ईमेल में कहा, वर्तमान में, कोविड-19 अपशिष्ट जल वायरल गतिविधि का स्तर राष्ट्रीय स्तर पर बहुत ज्यादा है, जिसमें पश्चिमी अमेरिकी क्षेत्र सबसे आगे है। उन्होंने यह भी कहा कि इस साल की कोविड-19 लहर पिछले साल की तुलना में पहले आ रही है, जो 2022 में अगस्त के अंत या सितंबर की शुरुआत में दिखाई दी थी। एमरी विश्वविद्यालय में पर्यावरण स्वास्थ्य और सार्वजनिक स्वास्थ्य के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मार्लीन वोल्फ ने कहा कि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण उछाल है। स्तर बहुत ज्यादा हैं। वे गर्मियों की लहर के दौरान अब तक के सबसे उच्च स्तर है। हम देशभर में अपने 100 फीसदी नमूनों में एसएआरएस-कोवी-2 का पता लगा रहे हैं। वेस्टवॉटर स्केन ने भी 2022 की शुरुआत में निगरानी शुरू की और जिन साइटों पर यह निगरानी करता है, उनकी संख्या समय के साथ बदल गई है।

रूस के कुर्स्क क्षेत्र में बफर जोन स्थापित करेगा यूक्रेन : जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सैनिकों के घुसने का मकसद वहां एक 'बफर जोन' बनाना है। यह पहली बार है, जब जेलेंस्की ने कुर्स्क क्षेत्र में शुरू किए अभियान के पीछे की मंशा को जाहिर किया है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि अभियान का मकसद सीमावर्ती सुमी क्षेत्र में समुदायों को रूस की ओर से लगातार हो रही गोलाबारी से बचाना है। जेलेंस्की ने कहा कि कुल मिलाकर अब रक्षात्मक अभियानों में हमारी प्राथमिकता यह है जितना संभव हो, रूस की युद्ध क्षमता को खत्म करना और ज्यादा से ज्यादा जवाबी कार्रवाई करना। इसमें कुर्स्क क्षेत्र में हमारा अभियान शामिल है, जिसका उद्देश्य आक्राता के क्षेत्र में एक 'बफर जोन' बनाना है।

छात्रों की मौत को लेकर शेख हसीना पर एक और नया मामला दर्ज

ढाका। बांग्लादेश में आरक्षण-विरोधी प्रदर्शन में हुई दो कॉलेज छात्रों की मौत को लेकर पूर्व पीएम शेख हसीना पर हत्या का एक और मामला दर्ज किया गया है। पूर्व पीएम शेख हसीना पर दर्ज किए कई मामलों में यह नया मामला दर्ज हुआ है। वह सरकारी नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली के विरुद्ध छात्रों के हिंसग प्रदर्शन के बाद पीएम पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर भारत चली गई थीं। हिंसा के दौरान ढाका के सूत्रापुर क्षेत्र में दो छात्रों की मौत को लेकर हसीना और 12 अन्य पर नए मामले दर्ज किए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोबी नजरूल सरकारी महाविद्यालय के विद्यार्थी इकराम हुसैन कावसेर और शहीद सुहरावर्दी महाविद्यालय के छात्र उमर फारूक की मौत को लेकर ढाका मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की कोर्ट में यह नया मामला दर्ज किया गया है।

ढाका कॉलेज के हॉस्टल में घुसे कट्टरपंथी, मूर्तियां तोड़ीं

ढाका। ढाका में शेख हसीना सरकार गिरने के बाद से ही बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले शुरू हो गए थे, जो अभी तक जारी हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। न तो मुकदमा दायर किए जा रहा है और न ही गिरफ्तारी या कोई कार्रवाई हो रही है ।बांग्लादेश में कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के दावों और सुरक्षा के भरोसे के बावजूद हिंदुओं पर हमले थम नहीं रहे हैं। इस्लामिक कट्टरपंथियों ने ढाका कॉलेज के हिंदा छात्रावास पर हमला कर मंदिर और मूर्तियों को नुकसान पहुंचाया है। हमले के दौरान छात्रावास के पश्चिमी हिस्से में स्थित हिंदू मंदिर की मूर्तियों को तोड़ दिया गया और कीमती सामान चुरा लिए गए। रिपोर्ट के मुताबिक 250 से ज्यादा जगहों पर हिंदू समुदाय के घरों और मंदिरों पर हमले हुए हैं। हमलों के विरोध में हिंदू समुदाय ने देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शन किए हैं। हिंदुओं पर बढ़ते हमलों के बीच बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने बीते सप्ताह राजधानी ढाका के प्रसिद्ध ढाकेश्वरी देवी मंदिर का दौरा किया था। इस दौरान मोहम्मद यूनुस ने हिंदू समुदाय के सदस्यों से मुलाकात की थी और उनकी सुरक्षा का वादा किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि देश में सभी के अधिकार बराबर हैं।

कराची में भारी बारिश और बाढ़ के बीच ही पानी से भरी एक सड़क से निकलती हुए वाहन।

शेख हसीना के खिलाफ एक्शन के लिए छटपटा रही है यूनुस सरकार

ढाका(ईएमएस)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट और उनके देश छोड़कर भागने की घटना को दो हफ्ते हो चुके हैं। हिंसा की आग में झुलस रहे बांग्लादेश में अब हालात सामान्य होने लगे हैं लेकिन, अभी भी मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार हसीना के खिलाफ ऐक्शन को छटपटा रही है। बांग्लादेश की एक अदालत में रविवार को अपदस्थ प्रधान मंत्री शेख हसीना और 33 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए एक आवेदन दायर किया गया। हसीना और अन्य पर 2013 में एक रैली पर अंधाधुंध गोलीबारी करके नरसंहार का आरोप है। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश पीपुल्स पार्टी (बीपीपी) के अध्यक्ष बाबुल सरदार चखारी ने ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट जकी-अल-फराबी की अदालत में आवेदन किया है। शेख हसीना और अन्य पर 2013 में एक

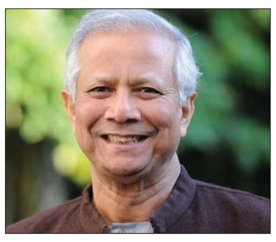

रैली पर अंधाधुंध गोलीबारी करके नरसंहार का आरोप है। बांग्लादेश की एक अदालत में रविवार को हसीना और 33 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए एक आवेदन दायर किया गया। बांग्लादेश की अदालत में बाबुल सरदार चखारी ने आवेदन में उन पर 5 मई 2013 को मोतीझील के शपला छत्तर में रैली के दौरान सामूहिक हत्या का आरोप लगाया गया है। अदालत ने बयान दर्ज किया और कहा कि वह इस मुद्दे पर बाद में आदेश सुनाएगी ।बता दें कि 76 वर्षीय हसीना 5 अगस्त को प्रधान मंत्री पद से इस्तीफा देकर भारत भाग गईं थी। बांग्लादेश में उनके खिलाफ 11 मामले चल रहे हैं। जिनमें हत्या के आठ, अपहरण का एक और नरसंहार के लिए दो मामले शामिल हैं।

मंकीपॉक्स आने वाले दिनों में ले सकती है कोविड-19 जैसा रूप

- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जताई यह आशंका

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तेजी से फैल रही मंकीपॉक्स बीमारी को चिंताजनक बताया है। संगठन को आशंका है कि आगामी दिनों में मंकीपॉक्स आने वाले दिनों में कोविड-19 जैसी बड़ी महामारी का रूप ले सकता है। उधर वैज्ञानिकों ने बताया है कि एंटीवायरल दवा टेकोविरिमैट का असर मंकीपॉक्स के क्लेड-1 स्ट्रेन पर नहीं हो रहा है।

वर्तमान में क्लेड-1 स्ट्रेन ही सबसे तेजी से फैल रहा है। इस एकमात्र स्ट्रेन के कारण अफ्रीका में मंकीपॉक्स के मामले बढ़कर 18,700 से अधिक हो गए हैं। इस खबर ने चिकित्सा जगत में खलबली मचा दी है। टेकोविरिमैट का इस्तेमाल 2022-23 में मंकीपॉक्स की पिछली लहर को रोकने के लिए किया गया था। वैज्ञानिकों ने कहा, नए शोध से पता चला है कि एंटीवायरल दवा टेकोविरिमैट का असर मंकीपॉक्स के क्लेड-1 स्ट्रेन से संक्रमित लोगों के घावों पर नहीं पड़ रहा है। टेकोविरिमैट एक एंटीवायरल दवा है, जिसे टीपीओएक्सएक्स के नाम से भी जाना जाता है। वैज्ञानिक इस दवा का परीक्षण यह देखने के लिए कर रहे थे कि क्या यह यह कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में बच्चों और वयस्कों में मंकीपॉक्स के लक्षणों की अवधि को कम करने में मदद कर सकती है। वायरस का क्लेड-1 स्ट्रेन पिछले साल सितंबर से कांगो में फैल रहा है। टेकोविरिमैट को मूल रूप से चेचक के लिए इलाज के लिए विकसित

किया गया था। इसे अमेरिका के खाद्य और औषधि प्रशासन (एफडीए) ने भी अनुमोदित किया है। चेचक का मंकीपॉक्स से नजदीकी संबंध है, लेकिन यह उससे कहीं अधिक गंभीर और घातक है।

अध्ययन में पाया गया कि टेकोविरिमैट सुरक्षित है, लेकिन क्लेड-1 स्ट्रेन से पीड़ित मरीज के हालात में सुधार नहीं कर पा रहा है। इस स्टडी को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्शियस डिजीज ने किया है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्शियस डिजीज के डायरेक्टर जीन मार्राजो ने कहा, ये निष्कर्ष निराशाजनक हैं, लेकिन वे हमें आवश्यक जानकारी देते हैं और मंकीपॉक्स के लिए अन्य चिकित्सीय दवाओं की पहचान करने की आवश्यकता को मजबूत करते हैं। हालांकि, हम मंकीपॉक्स के साथ अन्य आबादी में टेकोविरिमैट के उपयोग पर शोध जारी रखे हुए हैं।

फिलीपींस ने चीन की दादागिरी का मुंहतोड़ जवाब दिया, जहाज को टक्कर मारकर किया डैमेज

ताइपेई (एजेंसी)। चीन अपनी सभी सीमाओं से लगे देशों को आए दिन परेशान करता है। उसकी विस्तारवादी नीति के चलते उसने तमाम देशों से पंगा ले रखा है। यही वजह है कि साउथ चाइना में चीन की दादागिरी की कोशिशों के खिलाफ अब कई देशों ने कमर कस ली है। अब उसको मुंहतोड़ जवाब मिलना शुरू भी हो गया है। चीन के कोस्टगार्ड ने आरोप लगाया कि फिलीपींस के एक जहाज ने सोमवार तड़के सबीना शोल के पास जानबूझकर एक चीनी जहाज टक्कर मार दी है। यह इलाका दक्षिण चीन सागर में कई देशों के बीच बढ़ते क्षेत्रीय विवादों में एक नया मुद्दा बन गया है।

चीन के कोस्ट गार्ड के प्रवक्ता गान यू ने कहा कि 'फिलीपीन पक्ष टक्कर के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है। हम फिलीपीन पक्ष को चेतावनी देते हैं कि वह तुरंत अपनी उल्लंघन और उकसावे को रोके, अन्यथा उसे इससे पैदा होने वाले सभी नतीजे भुगतने होंगे।' गान यू ने कहा कि चीन ने स्प्रैटली द्वीप समूह पर निर्विवाद संप्रभुता का दावा किया है, जिसे चीनी भाषा में नांशा द्वीप समूह के रूप में जाना जाता है। जिसमें सबीना शोल और उसके आस-पास के समुद्र के इलाके शामिल हैं। सबीना शोल का चीनी नाम जियानबिन रीफ है।

गौरतलब है कि सबीना शोल फिलीपींस के पश्चिमी द्वीप प्रांत पलावन से लगभग 140 किलोमीटर (87 मील) पश्चिम में स्थित है। यह चीन और फिलीपींस के बीच इलाकों को लेकर विवादों में एक नया मुद्दा बन गया है। अप्रैल में फिलीपींस के कोस्टगार्ड ने अपने एक प्रमुख गश्ती जहाज, बीआरपी टेरेसा मैगबानुआ को सबीना में तैनात किया था। उस वक्त फिलिपींस के वैज्ञानिकों ने इसके उथले पानी में कुचले हुए कोरल के डूबे हुए ढेर की खोज की थी। जिससे संदेह पैदा हुआ कि चीन यहां पर कुछ बनाने की तैयारी कर रहा है। चीनी कोस्टगार्ड ने भी बाद में सबीना में एक जहाज तैनात किया।

सबीना फिलीपींस के कब्जे वाले दूसरे थॉमस शोल के पास स्थित है। जो पिछले साल से चीनी और फिलीपींस के तट रक्षक जहाजों और उनके साथ आने वाले जहाजों के बीच बढ़ते हुए खतरनाक टकराव का गवाह रहा है। चीन और फिलीपींस ने पिछले महीने एक समझौता किया था, ताकि आगे के टकराव को रोका जा सके। फिलीपींस की नौसेना ने समझौते पर पहुंचने के एक हफ्ते बाद वहां खाना और सैनिकों को पहुंचाया।

ट्रंप बाइबल बेचकर कमाते हैं करोड़ रुपए, अमीर नेताओं में हैं शुमार

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस को कड़ी टक्कर दे रहे ट्रंप कई स्त्रोतों से मोटी कमाई करते हैं। डोनाल्ड ट्रंप के लेटेस्ट फाइनेंशियल डिस्क्लोजर से पता चला है कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति हर साल केवल बाइबल बेचकर ही करोड़ों रुपए कमाते हैं। ट्रंप की गिनती अमीर नेताओं में होती है। फोर्ब्स के मुताबिक ट्रंप की नेटवर्थ 4.5 बिलियन डॉलर है। वह सिंगर ली ग्रीनवुड के साथ मिलकर बाइबिल के एक विशेष संस्करण जिसे ग्रीनवुड बाइबिल कहा जाता है, बेचते हैं।

बाइबिल की बिक्री से ट्रंप ने एक साल में 300,000 यानी लगभग ढाई करोड़ रुपए की कमाई करते हैं। ग्रीनवुड बाइबिल के अलावा डोनाल?ड ट्रंप किताब लेटर्स टू ट्रंप से उन्हें 4.4 मिलियन की रॉयल्टी मिलती है। ए मागा जर्नी नामक पुस्तक से उन्होंने 500,000 की कमाई की, जबकि दी आर्ट ऑफ दी डील जैसी अन्य किताबों से उन्हें 50,000 से 100,000 की आय पिछले एक साल में हुई है रियल एस्टेट, क्रिप्टोकरेंसी और सोना, डोनाल्ड ट्रंप की कमाई के प्रमुख साधन हैं। ट्रंप की नेटवर्थ का सबसे बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया कंपनी ट्रुथ सोशल से आता है। कंपनी में ट्रंप के पास 11.4 करोड़ शेयर हैं, जिनकी वैल्यू 2 बिलियन डॉलर से ज्यादा है। ट्रंप राजनीति में आने से पहले बिजनेस के अलावा सिनेमा की दुनिया से भी जुड़े रहे हैं और कई हॉलीवुड फिल्मों में स्क्रीन पर नजर आ चुके हैं उसके एवज में उन्हें स्क्रीन्स एक्टर्स गिल्ड से 90,776 डॉलर की सालाना पेंशन भी मिलती है। उन्हें पिछले साल दुबई के रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट से 30 लाख डॉलर और ओमान से 20 लाख डॉलर से ज्यादा की कमाई हुई।

ट्रंप के खिलाफ कमला हैरिस का बड़ा दांव- अमेरिका के मिडिल क्लास को रिझाने के लिए बताया बड़ा प्लान

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में हो रहे राष्ट्रपति पद के चुनाव में उतरी कमला हैरिस अपने प्रतिद्वंदी डोनाल्ड ट्रंप को कड़ी चुनौती दे रही हैं। वे ट्रंप के हर एक दांव को फेल करने की कोशिश करते हुए आमजनता को रिझाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहीं हैं। अबकी बार कमला ने मिडिल क्लास की सहानुभूति बटोरने की कोशिश की है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका के मिडिल क्लास खासकर सैलरी वालों को राहत देने के लिए कई कदम उठाने का ऐलान किया है। उन्होंने अपने विरोधी और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर भी निशाना साधा और कहा कि उनका एजेंडा आज भी पुराने ढर्रे पर चल रहा है। बता दें कि अमेरिका की करीब 50 फीसदी जनसंख्या मिडिल व?लास में आती है। जाहिर है कि कमला हैरिस ने अपने मुद्दे में मिडिल क्लास को शामिल

कर बड़े वोटर वर्ग को रिझाने की कोशिश की है।

कमला हैरिस ने अपनी इकनॉमिक पॉलिसी पेश करते हुए कहा कि लाखों लोग पहली बार अपना घर खरीदने का सपना देख रहे हैं। ऐसे लोगों की मदद की जाएगी और टैक्स को भी कम करने पर जोर रहेगा। इसके साथ ही ग्रॉसरी व अन्य जरूरी चीजों के दाम घटाने पर भी हमारी सरकार का फोकस रहेगा। हेल्थकेयर और चाइल्ड टैक्स क्रेडिट जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा, ताकि मिडिल क्लास को इसका पूरा फायदा मिल सके।अमेरिका में पिछले दिनों जारी महंगाई के आंकड़ों ने करीब साढ़े तीन साल बाद राहत दी है, जब उपभोक्ता से जुड़ी महंगाई दर 3 फीसदी से नीचे चली गई। हालांकि, ग्रॉसरी सहित अन्य खाद्य उत्पादों की महंगाई दर आज भी बढ़ी हुई है और इनकी कीमतें कोरोना महमारी से पूर्व की स्थिति से भी ऊपर हैं। यही कमला हैरिस की सबसे बड़ी चिंता है, क्योंकि इसका सीधा और सबसे ज्यादा असर मिडिल क्लास पर पड़ रहा है। कमला हैरिस ने अपने इकनॉमिक विजन में मिडिल क्लास के लिए अपने घर का सपना पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि इस देश में अपना घर बनाना काफी मुश्किल काम है। हम हाउसिंग और दवाओं की कीमतों पर नजर रखेंगे और उसे आम आदमी के काबिल बनाएंगे। ग्रॉसरी की कीमतों पर नजर रखने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं और उल्लंघन करने वालों पर पेनाल्टी लगाने का भी आदेश दिया गया है।

रुस के पास गोला बारूद का टोटा- नहीं कर पा रहा जवाबी कार्रवाई

मास्को (एजेंसी)। रुस जैसा शक्तिशाली देश यूक्रेन से जंग लड़ने में हांफने लगा है। उसके पास गोला बारुद को टोटा पड़ गया है। यही वजह है कि यूक्रेन ने पश्चिमी कुर्स्क इलाके के कुछ क्षेत्र पर कब्जा कर रूस को बड़ा झटका दे दिया था। अब चर्चाएं ये भी शुरू हो गई हैं कि आखिर रूस इसका जवाब अब तक क्यों नहीं दे सका है। जानकार इसके कई कारण गिनाते हैं। हालांकि, खबरें ये भी हैं कि रूस ने इस कार्रवाई का जवाब धीरे-धीरे देना शुरू कर दिया है। खास बात है कि फरवरी 2022 में हुए आक्रमण के बाद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की शासन को यह चौथा बड़ा झटका माना जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि रूस की सेना में क्विक रिएक्शन फोर्सेज की कमी है, जो आपातकाल की स्थिति में कार्रवाई के लिए तैयार हो सकती है। दो अधिकारियों ने कहा कि रूसी बलों ने आक्रमण के दौरान पूर्वी और दक्षिणी यूक्रेन में लाखों तोप के गोले चलाए, लेकिन मॉस्को कुर्स्क से यूक्रेनियों के बाहर निकालने के लिए भारी तोपों का इस्तेमाल करने में इच्छुक नहीं रहा है। बता दें कि बीते सप्ताह यूक्रेन की सेना ने कीव के पूर्वोत्तर पर हमला बोल दिया था, जिसके बाद उसने कई गावों पर कब्जा किया और रूसी सैनिकों को बंदी बना लिया था। यूएसए टुडे से बातचीत में अमेरिका के एक अधिकारी ने बताया है कि यूक्रेन ने आक्रमण के बारे में व्हाइट हाउस या पेंटागन को जानकारी नहीं दी थी। इधर, पुतिन ने भी इस हमले का जिम्मेदारी यूक्रेन के सहयोगियों को बताया है।

रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी यूक्रेन में लगातार जंग के बाद रूस के पास गोला बारूद की भी कमी हो सकती है। एक अमेरिकी अधिकारी का कहना है कि कुर्स्क में यूक्रेनी बलों का सामना करने के लिए रूस ने बलों को बढ़ाना शुरू कर दिया है। साथ ही रूस की धीमी जवाबी कार्रवाई की एक वजह यह भी बताई जा रही है कि उन्हें इस बात की स्पष्ट जानकारी नहीं है कि यूक्रेन क्या करना चाह रहा है। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक यूक्रेन के हमले की एक वजह रूसी सैनिकों को कैदी बनाने की भी हो सकती है, जिसका इस्तेमाल वो कैदियों की अदला-बदली में कर सकता है। कहा जा रहा है कि 3 हजार से ज्यादा युद्ध बंदी अदला बदली के जरिए घर वापसी कर चुके हैं। हालांकि, अब तक यह भी साफ नहीं है कि दोनों पक्षों के पास कितने युद्धबंदी हैं।

यूक्रेनी वायुसेना ने सेइम नदी पर बने एक पुल को तबाह कर दिया और पास के ही एक पुल पर हमला किया। इस पुल से ही रूसी सेना को सैन्य व अन्य आपूर्ति की जा रही थी। यह हमला सीमा पार से की गई घुसपैठ के दो सप्ताह से भी कम समय में हुआ है। इस हमले से रूसी आपूर्ति मार्ग बाधित हो गया है। पुल तबाह होने से रूस का युद्ध संचालन अभियान प्रभावित हो सकता है। यूक्रेन का कहना है कि वह उसके आपूर्ति मार्गों को बाधित करना चाहता है। ये हमला यूक्रेनी सीमा से 15 किलोमीटर दूर ज्वानोये गांव के पास किया गया। एयर फोर्स कमांडर

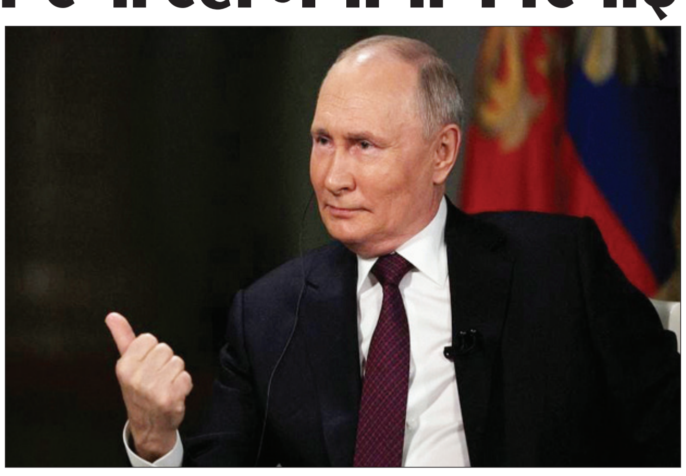

मायकोला ओलेशचुक ने कहा, एक और पुल को नष्ट कर दिया है, वायुसेना के विमान ने पुल पर सटीक निशाना लगाया। उन्होंने हमले का एक वीडियो भी जारी किया है। एक रूसी ब्लॉगर्स ने भी तबाह हुए पुल की तस्वीरें साझा की हैं।

नेशनल पार्क काजीरंगा में फाइव स्टार होटल बनाने के विरोध में उतरे आदिवासी यूनेस्को ने दी चेतावनी

गुवाहाटी। असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में फाइव स्टार होटल बनाने के लिए असम सरकार ने जमीन आवंटित की है। इसके लिए आदिवासियों की जमीन को अधिग्रहित किया जा रहा है। जिसका विरोध यहां के आदिवासी कर रहे हैं। असम सरकार और ताज समूह के बीच में समझौता पत्र हस्ताक्षरित किया गया है। असम सरकार ने दावा किया है, 120 करोड़ रुपए के इस प्रोजेक्ट से 200 से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा। असम के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। आदिवासियों का आरोप है, किसानों से जबरन भूमि अधिग्रहीत की जा रही है। जिस स्थान पर फाइव स्टार होटल बनाया जा रहा है। वहां पर बड़ी संख्या में जंगली हाथियों का निवास स्थान है। सरकार का यह प्रोजेक्ट आदिवासियों के भूमि अधिकारों का उल्लंघन है। वहीं काजीरंगा नेशनल पार्क में जहां जंगली जीवों का बड़ी संख्या में निवास है। यह उनके हितों के खिलाफ है। इस प्रोजेक्ट का विरोध यूनेस्को की सलाहकार संस्था इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट और साइट्स ने भी, इस प्रोजेक्ट को लेकर चिंता जताई है। डॉ संजीव कुमार का कहना है, विश्व धरोहर स्थलों पर इस तरीके की परियोजनाओं को प्रतिबंधित किया गया है। काजीरंगा में होटल बनने से यहां के वन्य जीवों का जीवन प्रभावित होगा। यूनेस्को ने इस प्रोजेक्ट पर आपत्ति जताई है यदि इस प्रोजेक्ट को चालू रखा गया। ऐसी स्थिति में यूनेस्को को, काजीरंगा विश्व धरोहर को संकटग्रस्त सूची में डालने के लिए विवश होना पड़ेगा। यदि ऐसा हुआ तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलने वाली सहायता बंद कर दी जाएगी। यूनेस्को की सूची से भी हटा दिया जाएगा।

उधमपुर में सुरक्षाबलों पर आतंकियों ने किया हमला, सीआरपीएफ का एक जवान शहीद, एनकाउंटर जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के रामनगर के चील इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी के बाद सीआरपीएफ का एक जवान शहीद हो गया। सीआरपीएफ जवान की पहचान इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह के रूप में हुई। अधिकारियों ने कहा कि अपराह्न 3:30 बजे आतंकवादी ने जेकेपी एसओजी टीम के साथ सीआरपीएफ के गश्ती दल पर गोलीबारी की। सीआरपीएफ 187 की यूनिट को उधमपुर के डुडू पुलिस स्टेशन के ढंडे इलाके में तैनात किया गया था। कार्रवाई में एक सीआरपीएफ इंस्पेक्टर की मौत हो गई। भारतीय सेना ने बताया कि इससे पहले 13 अगस्त को उधमपुर के पटनीटॉप इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस महीने की शुरुआत में, जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ और उधमपुर जिलों के सुदूर वन क्षेत्रों में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच दो मुठभेड़ हुई। किश्तवाड़ में मुठभेड़ का पद्दार क्षेत्र में वार्षिक मचैल माता यात्रा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा और मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों को आश्वासन दिया गया कि पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने रविवार शाम को उधमपुर जिले के बसंतगढ़ के जंगलों में भी आतंकवादियों से संपर्क स्थापित किया। उन्होंने बताया कि खांडे जंगल में दोनों पक्षों के बीच कुछ राउंड गोलीबारी हुई, लेकिन किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और सोमवार सुबह इलाके की नए सिरे से तलाशी शुरू की जाएगी। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के साथ शुरू हुई शांति के एक संक्षिप्त शासन के बाद, जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों फिर से शुरू हो गई हैं। हालिया उछाल ज्यादातर जम्मू क्षेत्र में देखा गया।

अब हरियाणा में लेडी डॉक्टर का हुआ अपहरण, चंडीगढ़ ले जाकर पीटा

रोहतक। कोलकाता में एक महिला डॉक्टर के साथ हुए रेप और हत्या का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था हरियाणा में एक और डरा देने वाली घटना हुई है। पीजीआईएमएस रोहतक की एक मेडिकल छात्रा का सीनियर रेजीडेंट डॉक्टर ने अपहरण कर लिया और फिर चंडीगढ़ ले जाकर उसके मारपीट की। पीड़ित छात्रा को पीजीआईएमएस में ही भर्ती कराया गया है। वहीं, हेल्थ यूनिवर्सिटी प्रशासन ने आरोपी रेजीडेंट डॉक्टर को संस्थान से निलंबित कर दिया है और उसके पीजीआईएमएस परिसर में घुसने पर रोक लगा दी है। वहीं पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पीजीआईएमएस की मेडिकल छात्रा का कहना है कि 16 अगस्त की शाम को संस्थान के रेजीडेंट डॉक्टर मनिंदर कौशिक ने उसका कार में अपहरण कर लिया। फिर वह उसे रात को अंबाला और चंडीगढ़ घुमाता रहा। 17 अगस्त को दोपहर करीब साढे 3 बजे उसे रोहतक वापस लेकर आया। इस दौरान चंडीगढ़ में उसके मारपीट की गई। अपने साथ हुई इस घटना से यह मेडिकल छात्रा सदमे में है। इस घटना की जानकारी पीजीआईएमएस प्रशासन को दी गई। छात्रा को पीजीआईएमएस में ही दाखिल करा दिया गया है। यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता डॉ वरूण अरोड़ा ने रविवार देर शाम को बयान जारी कर कहा कि संस्थान हर महिला कर्मचारी, महिला रेजीडेंट डॉक्टर और छात्रा की सुरक्षा को लेकर गंभीर है। इसी के चलते हेल्थ यूनिवर्सिटी प्रशासन ने इस मामले को लेकर कड़ा संज्ञान लिया है। आरोपी रेजीडेंट डॉक्टर एनॉटमी डिपार्टमेंट के एमडी का प्रथम वर्ष का छात्र है। उसे संस्थान से निलंबित कर दिया गया है और परिसर मे घुसने पर रोक लगा दी गई है।

नकली पासपोर्ट पर अमेरिका जा रहे 4 गुजराती तंजानिया से भारत डिपोर्ट किए गए

अहमदाबाद । फर्जी भारतीय पासपोर्ट का उपयोग कर अमेरिका जाने की कोशिश करने के आरोप में चार गुजरातियों को तंजानिया से डिपोर्ट किया गया है। तंजानिया में इमिग्रेशन क्लीयरेंस के दौरान उनका पासपोर्ट फर्जी पाए जाने के बाद चारों लोगों को वापस भारत भेज दिया गया है। इन चार लोगों के खिलाफ मुंबई पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। तंजानिया से वापस भेजे गए लोगों में गीताबेन मानसिंह चौधरी, भारतीबेन जीवनभाई चौधरी, अंश गोविंदभाई चौधरी के अलावा उनके हैंडलर रमेश भजन ठाकुर शामिल हैं। इस संबंध में आव्रजन अधिकारियों द्वारा की गई जांच से पता चला कि गीता चौधरी, भारती चौधरी और अंश चौधरी ने अपने असली भारतीय पासपोर्ट पर तंजानिया तक यात्रा की थी। जिसके बाद चार लोगों को नकली पासपोर्ट पर यात्रा करनी थी। फिलहाल मुंबई पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इन चारों लोगों के पास दो पासपोर्ट कहां से आए? इन चारों गुजरातियों की गतिविधि संदिग्ध होने पर अधिकारी ने उनसे पूछताछ की। बताया जाता है कि तीनों लोग अमेरिका में स्थायी रूप से बसना चाहते थे। इन लोगों का सबसे पहले पुष्पाबेन व्यास नाम के एजेंट से संपर्क हुआ। पुष्पाबेन ने उन्हें तंजानिया के रास्ते अमेरिका आने का रास्ता बताया था। पुष्पाबेन ने ही हैंडलर रमेश ठाकुर को इन तीन लोगों के साथ अमेरिका आने के लिए कहा था। जांच में यह भी पता चला है कि गीताबेन को रंजना अनु चौहान के नाम से फर्जी पासपोर्ट दिया गया था। भारतीबेन के पास कल्पनाबेन संजय पटेल के नाम से फर्जी पासपोर्ट था। जबकि अंश चौधरी के पास दिग्विजय संजय पटेल के नाम से फर्जी पासपोर्ट था। इसमें फोटो तो आरोपियों के थे लेकिन नाम दूसरे लोगों के निकले।

आंध्र प्रदेश में मिलावटी खाना खाने से चार अनाथ बच्चों की मौत, मुख्यमंत्री ने जताया दुख

अनकापल्ली। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में दो दिन पहले मिलावटी खाना खाने से चार अनाथ बच्चों की स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण मौत हो गई। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। यह घटना कोटौराटला मंडल के अनकापल्ली जिले के कैलाश गांव में घटी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, जोशुआ, भवानी, श्रद्धा और नित्या उन लोगों में शामिल हैं जो दो दिन पहले (शनिवार) मिलावटी खाना खाने के कारण इलाज के

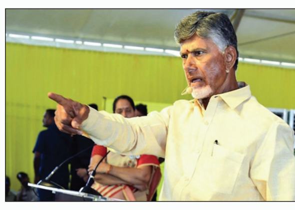

दौरान बीमार हो गए। मुख्यमंत्री ने अनकापल्ली के जिलाधिकारी विजय कृष्णन को अन्य प्रभावित बच्चों के लिए बेहतर उपचार उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, जिनका वर्तमान में विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। उन्होंने जिलाधिकारी से घटना पर एक विस्तृत रिपोर्ट भी देने को कहा।

यूपीए सरकार ही लेकर आई थी लेटरल एंट्री अब कर रहे विरोध: वैष्णव

–राहुल बोले–सरकार आईएएस का निजीकरण कर आरक्षण कर रही खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस, सपा समेत कई विपक्षी दलों ने केंद्र में रिक्त संयुक्त सचिव, निदेशक व उपसचिव के 45 पदों पर सीधी भर्ती (लेटरल एंट्री) का विरोध किया है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि सरकार आईएएस का निजीकरण करते हुए आरक्षण खत्म कर रही है। लेटरल एंट्री पर राहुल गांधी के आरोपों को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- लेटरल एंट्री मामले में कांग्रेस का पाखंड स्पष्ट रूप से दिख रहा है। यह यूपीए सरकार ही थी जो लेटरल एंट्री लेकर आई थी।

रेल मंत्री ने आगे लिखा कि पार्श्व प्रवेश मामले पर कांग्रेस का पाखंड स्पष्ट है। यह यूपीए सरकार थी जिसने पार्श्व प्रवेश की अवधारणा विकसित की थी। दूसरा प्रशासनिक सुधार आयोग (एआरसी) 2005 में यूपीए सरकार ने स्थापित किया था। वीरप्पा मोइली ने इसकी अध्यक्षता की थी यूपीए सरकार के कार्यकाल में लेटरल एंट्री के जरिए विशेषज्ञों की भर्ती की सिफारिश की गई थी। रेल मंत्री ने आगे लिखा-एनडीए सरकार ने लेटरल एंट्री को लागू करने के लिए एक पारदर्शी तरीका अपनाया है। यूपीएससी के जरिए से पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से भर्तियां की जाएंगी। इस सुधार से प्रशासन में सुधार होगा। इसको लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर लिखा कि इन पदों को निचले पदों पर तैनात कर्मचारियों को पदोन्नति देकर भरा जाना चाहिए। एससी, एसटी व पिछड़ा वर्ग के लिए कोटा व्यवस्था लागू करके इन पदों को भरा जाए। अगर केंद्र सरकार इसे लागू नहीं करती है तो यह संविधान का सीधा उल्लंघन होगा।

वहीं अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि बीजेपी पिछले दरवाजे से अपनी विचारधारा के लोगों को यूपीएससी के उच्च पदों पर बैठाने की साजिश रच रही है। यह सारी चाल पीडीए से उसका आरक्षण व अधिकार छीनने की है। उन्होंने युवाओं व अधिकारियों से अपील की है कि यदि सरकार इस मामले में अपना फैसला नहीं बदलती है तो दो अक्टूबर से इसके खिलाफ देशभर में सपा द्वारा चलाए जाने वाले आंदोलन में शामिल होकर इसका विरोध करें। लेटरल एंट्री का मतलब निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों की सीधी भर्ती है। इसके जरिए से केंद्र सरकार के मंत्रालयों में संयुक्त सचिवों, निदेशकों और उप सचिवों के पदों की भर्ती की जाती है।

डॉक्टरों की मोदी से अपील, स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा के लिए बने कानून

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एआईआईएमएस) के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर देशभर में स्वास्थ्यकर्मियों और संस्थानों की सुरक्षा के लिए अध्यादेश के जरिये केंद्रीय कानून बनाने के लिए हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। आरडीए ने कोलकाता के सरकारी आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में कानून-व्यवस्था बहाल करने का भी आग्रह किया। यहां नौ अगस्त को एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु महिला ?चिकित्सक के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया गया था और फिर उसकी हत्या कर दी गई। एम्स आरडीए ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में अस्पताल में हुई तोड़फोड़ और देश भर में चिकित्सा संस्थानों, स्वास्थ्यकर्मियों और चिकित्सकों के खिलाफ हिंसा के बढ़ते मामलों का भी जिक्र किया। केंद्र द्वारा संचालित चिकित्सा संस्थान के चिकित्सकों ने पत्र में कहा कि अस्पताल, मंदिरों के समान हैं, जहां लोगों को उम्मीद की किरण दिखती है। आरडीए ने कहा कि डॉक्टर जीवन-मरण की चुनौतियों से भरे वातावरण में काम करते हैं, जिससे वे असुरक्षित हो जाते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में चिकित्सकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा को 'बेहद परेशान करने वाला' बताते हुए उन लोगों की सुरक्षा के लिए मजबूत और समान कानून बनाने का आह्वान किया, जिन्होंने अपना जीवन दूसरों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया है। आरडीए ने अध्यादेश के जरिये केंद्रीय कानून लाने का आग्रह करते हुए कहा ?कि हम भारत सरकार से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि आप हस्तक्षेप कर पूरे देश में स्वास्थ्यकर्मियों और संस्थानों की सुरक्षा के लिए अध्यादेश के माध्यम से एक केंद्रीय कानून बनाने पर विचार करें।

केशव प्रसाद मौर्य ने जमकर की सीएम योगी की तारीफ, बताया देश का नंबर वन मुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य में देश का सबसे अच्छा मुख्यमंत्री है। मिर्ज़ापुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केशव मौर्य ने कहा कि पार्टी का ÷डबल इंजन÷ देश में सबसे अच्छा काम कर रहा है। केशव मौर्य ने आगे कहा कि भाजपा देश के साथ-साथ राज्य में भी सत्ता में है। लोग जानते और मानते हैं कि हमारी डबल इंजन सरकार देश में सबसे अच्छा काम कर रही है।

इसके साथ ही केशव मौर्य ने पूछा कि क्या दुनिया में पीएम (नरेंद्र) मोदी जैसा कोई दूसरा नेता है, और क्या देश में योगी आदित्यनाथ जैसा कोई दूसरा सीएम है? मौर्य ने कार्यकर्ताओं से कहा, %%जब हमारे पीएम मोदी दुनिया के सबसे प्रभावशाली नेता हैं और जब हमारे सीएम देश में सबसे अच्छे हैं, तो सबसे अच्छा काम हो रहा है।%% उपमुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर भाजपा को मजबूत करने का भी आग्रह किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के लिए मौर्य की प्रशंसा लोकसभा चुनाव में हार के बाद राज्य भाजपा इकाई के भीतर अंदरूनी कलह की खबरों के कुछ दिनों बाद आई है।

योगी आदित्यनाथ के साथ केशव मौर्य के %कम मधुर रिश्ते% को लेकर लंबे समय से चर्चा चल रही है। पिछले महीने ऐसी भी अटकलें थीं कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व जल्द ही राज्य में संगठनात्मक बदलाव के बारे में एक बड़ी घोषणा कर सकता है। मौर्य, एक प्रमुख ओबीसी नेता, संगठन को सरकार से ऊपर होने के बारे में बार-बार बयान देकर मुखर हो रहे थे। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बैठक में कहा था, %%पार्टी संगठन सरकार से बड़ा है और कोई भी संगठन से बड़ा नहीं है।%% उनके आउटरीच प्रयासों और सार्वजनिक बयानों की व्याख्या योगी आदित्यनाथ को निशाना बनाने के एक सूक्ष्म तरीके के रूप में की गई। उन्होंने दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व से भी मुलाकात की थी, जिससे अटकलों को और हवा मिल गई थी।

मृत महिला डॉक्टर के पिता ने ममता सरकार से आर्थिक मदद लेने से किया इनकार, उठाए सवाल

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में रेप और मर्डर की शिकार हुई जूनियर लेडी डॉक्टर के पिता ने ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ खुलकर अपनी आवाज उठाई। उन्होंने राज्य की ममता सरकार से आर्थिक मदद लेने से इनकार करते हुए साफ कहा कि हमे उनकी मदद नहीं न्याय चाहिए। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी सरकार के कई काम उनकी बेटी को न्याय दिलाने की मांग करने वालों को खामोश करने की का आरोप भी लगाया। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि 'मुख्यमंत्री न्याय दिलाने की बात कर रही हैं और एकजुटता दिखाने के लिए सड़कों पर भी उतरी हैं। लेकिन न्याय की मांग करने वाले आम लोगों को जेल क्यों भेजा जाए? हम मुख्यमंत्री के काम से संतुष्ट नहीं हैं। हमने राज्य सरकार द्वारा हमें दिए जाने वाले मुआवजे को कबूल करने से इनकार कर दिया है।'

बेटी की मौत के बाद से शोक में डूबे डॉक्टर के पिता ने कहा कि उन पर संदेह होने लगा है कि पोस्टमार्टम के बाद उनकी बेटी का तुरंत दाह संस्कार किए जाने में क्या सबूतों को नष्ट करने का कोई इरादा था? उन्होंने कहा कि 'श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार के लिए तीन शव पहले से थे। लेकिन हमारी बेटी का अंतिम संस्कार उनसे पहले ही कर दिया गया। हम अपनी इकलौती बेटी को खोने के बाद इतने दुखी और सदमे में थे कि हम उस समय कुछ सोच या कर नहीं पाए।पीड़िता डॉक्टर के पिता ने कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई के मामले की जांच अपने हाथ में लेने से पहले पुलिस जांच के तरीके पर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि 'जांच से कुछ नहीं निकलाज(चेस्ट मेडिसिन) विभाग या कॉलेज से किसी ने भी हमारा सहयोग नहीं किया। मेरी बेटी की हत्या के लिए पूरा विभाग जिम्मेदार हैज्हमें संदेह है कि विभाग के कुछ लोग अपराध में शामिल थे। जबकि पीड़िता की मां ने कहा कि वह इस मुश्किल समय में परिवार के साथ खड़े सभी लोगों को 'अपने बेटे और बेटियां' मानती हैं। उन्हें उम्मीद है कि सीबीआई की जांच से मामले में जल्द ही कोई सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि 'सीबीआई ने हमें भरोसा दिया है कि आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी।'

पुरानी कार चलाने का है शौक तो भरना होगा ग्रीन टैक्स

–पंजाब सरकार ने प्रदूषण कम करने उठाया नया कदम

चंडीगढ (एजेंसी)। पंजाब सरकार ने पुराने वाहनों को लेकर कदम उठाया है। सरकार ने कहा कि पुराने वाहन चला सकते हैं लेकिन उसके लिए वाहन मालिक को ग्रीन टैक्स चुकाना होगा। केंद्र सरकार की 2021 की स्क्रैप पॉलिसी के बावजूद, जो वाहन 15 साल पुराने हैं और प्रदूषण फैलाते हैं, उन्हें अब ग्रीन टैक्स देना होगा। पिछले एक साल से इस बारे में विचार किया जा रहा था। वाहन मालिकों ने इसका विरोध किया था, उनका कहना था कि यह नीति वाहन कंपनियों के फायदे के लिए बनाई गई है।

चुनाव प्रचार के दौरान वाहन मालिकों ने पंजाब के सीएम भगवंत मान से इस नीति को लागू नहीं करने की मांग की थी। सीएम ने आश्वासन दिया था कि यह नीति पंजाब में लागू नहीं होगी लेकिन अब सरकार ने इसका नया समाधान खोजा है। इस नए समाधान में अगर कोई 15 साल पुराना वाहन चलाना चाहता है, तो उसे पहले वाहन का नया रजिस्ट्रेशन करना होगा और ग्रीन टैक्स भरना होगा। इसके बाद वह वाहन पांच साल तक सड़क पर चला सकेगा। ग्रीन टैक्स लगाने का सरकार का मकसद है पुराने वाहनों को सड़कों से हटाया जाए ताकि प्रदूषण कम हो सके। जब लोगों को ग्रीन टैक्स देना पड़ेगा, तो वे नए और कम प्रदूषण फैलाने वाले वाहन खरीदने के लिए तैयार होंगे। यदि कोई व्यक्ति पुराना वाहन नहीं बदलना चाहता है, तो उसे ग्रीन टैक्स चुकाना होगा। इससे सरकार को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी, जो सरकार के आय स्त्रोत को बढ़ाएगी। इसके अलावा सरकार ने टूरिस्ट वाहनों पर लगने वाला मोटर व्हीकल टैक्स भी घटा दिया है। पहले 65 सीटों वाली टूरिस्ट बस के लिए प्रति सीट सात हजार रुपए टैक्स था। अब साधारण बस पर प्रति सीट दो हजार पचास रुपए, डीलक्स नॉन-एसी बस पर दो हजार छह सौ पचास रुपए, एसी डीलक्स बस पर चार हजार एक सौ पचास रुपए और सुपर इंटीग्रल बस पर पांच हजार रुपए टैक्स देना होगा। टैक्स ज्यादा होने की वजह से बस ऑपरेटर पंजाब में बसें रजिस्टर्ड नहीं करवा रहे थे। 2017 से 2022 तक के आंकड़ों से पता चलता है कि पंजाब में 206 पर्यटक बसें रजिस्टर्ड थीं, जबकि हरियाणा में 5,220 बसें थीं। हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे पर्यटन वाले राज्यों में बसों की ज्यादा रजिस्ट्रेशन के बावजूद पंजाब में कम बसों की रजिस्ट्रेशन देखी गई।

चुनाव से ठीक पहले क्यों बोले देवेन्द्र फडणवीस, अगर ऐसा हुआ तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारांगे के आरोपों का कड़ा प्रतिवाद करते हुए घोषणा की है कि अगर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे यह पुष्टि करते हैं कि मैं मराठा आरक्षण प्रक्रिया में बाधा डाल रहे हैं तो मैं राजनीति से इस्तीफा दे देंगे। जारांगे जो कि फडनवीस के कट्टर आलोचक हैं, ने लगातार वरिष्ठ भाजपा नेता पर मराठा समुदाय की आरक्षण की तलाश में प्रमुख बाधा होने का आरोप लगाया है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, फड़नवीस ने उनके प्रति जारांगे के %विशेष स्नेह% के बारे में व्यंग्यात्मक टिप्पणी की और कहा कि यदि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कहते हैं कि मेरी उपस्थिति मराठा आरक्षण के संबंध में निर्णय तक पहुंचने में बाधा है तो मैं अपना इस्तीफा दे दूंगा और राजनीति से हट जाऊंगा।

फडणवीस ने इस बात पर जोर दिया कि मराठा समुदाय को लाभ पहुंचाने वाले महत्वपूर्ण निर्णय या तो उनके कार्यकाल के दौरान या सीएम शिंदे के कार्यकाल के दौरान किए गए थे, और एक विपरीत कथा के जानबूझकर निर्माण की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि मुख्यमंत्री राज्य का मुखिया होता है और सभी निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार होता है। मराठा समुदाय को लाभ पहुंचाने वाले निर्णय या तो मेरे मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान लिए गए या मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यकाल में हुए हैं।

शिवसेना नेता रामदास कदम ने मुंबई-गोवा राजमार्ग की खराब स्थिति को लेकर सोमवार को भाजपा नेता और महाराष्ट्र के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री रविंद्र चव्हाण को 'बेकार मंत्री' करार दिया। इस पर पलटवार करते हुए उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सवाल उठाया कि क्या रामदास की टिप्पणियां महायुति गठबंधन के सिद्धांतों के अनुरूप है। ठाणे में पत्रकारों से बात करते हुए पूर्व मंत्री रामदास कदम ने महाराष्ट्र के तटीय जिलों से गुजरने वाले मुंबई-गोवा राजमार्ग पर अधूरे काम को लेकर चव्हाण पर कटाक्ष किया।

झारखंड और महाराष्ट्र के चुनाव क्यों नहीं, खुलासा होने पर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा जम्मू कश्मीर और हरियाणा में चुनाव की अधिसूचना जारी की है। झारखंड,महाराष्ट्र तथा 46 सीटों के विधानसभा के उपचुनाव कराने की घोषणा नहीं की थी। जबकि हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव पिछले कई बार से हमेशा एक साथ होते रहे हैं। इसके साथ ही लोकसभा चुनाव में जो विधायक सांसद चुन गए थे। उन्होंने अपने इस्तीफा दे दिए थे। 40 विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव होना था। उसमें सर्वाधिक उत्तर प्रदेश के 10 विधानसभा क्षेत्र में चुनाव होने थे। असम,बिहार, उड़ीसा, मध्य प्रदेश इत्यादि राज्यों में भी विधायक पद के लिए उपचुनाव नहीं कराए गए।

पत्रकारों द्वारा सवाल किए जाने पर केंद्रीय चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा था। बाढ़ की स्थिति होने के कारण चुनाव नहीं कराए गए हैं। झारखंड में उन्होंने बाढ़ की आशंका जताई थी। वहीं महाराष्ट्र में उन्होंने तीज त्योहार और अन्य कारणों से चुनाव नहीं कराने की बात कही थी।

हाल ही में झारखंड राज्य के चंपई की बगावत की खबरें सामने आ रही हैं। वह पूर्व मुख्यमंत्री हैं। हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद वह झारखंड के मुख्यमंत्री बने थे। अब वहां पर दलबदल की कोशिश शुरू हो गई है। वह अपने साथ 6 विधायकों को लेकर भाजपा में शामिल होने वाले हैं। असम के मुख्यमंत्री हेमंत विस्वा शर्मा ने झारखंड में जाकर जब पत्रकारों से कहा 2 महीने पहले असम में बाढ़ आई थी। बिहार, झारखंड,असम में कहीं बाढ़ नहीं है। हेमंत असम के मुख्यमंत्री हैं, वहां पर भी उपचुनाव होने थे। उनके यह कहने से स्पष्ट हो गया है कि महाराष्ट्र और झारखंड में जिस तरह विधानसभा चुनाव के पूर्व लोटस अभियान शुरू किया गया है। शायद इसलिए वहां पर चुनाव की घोषणा नहीं की गई है।

विपक्षी दल अब चुनाव आयोग पर सीधे-सीधे निशाना साथ रहे हैं। वह सरकार के इशारे पर ही चुनाव कराते हैं। चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से नहीं हो रहे हैं। इंडिया गठबंधन मैं शामिल राजनीतिक दल झारखंड, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की राजनीतिक घटनाओं को देखते हुए आरोप लगा रहे हैं। वहां पर चुनाव आयोग ने केंद्र सरकार के इशारे पर चुनाव नहीं कराए जा रहे हैं। वहां पर अभी भाजपा के लिए अनुकूल स्थिति नहीं थी।

इसलिए चुनाव आयोग ने चुनाव टाल दिए हैं।

चुनाव आयोग जिस तरह से विपक्षी दलों के निशाने पर हैं। असम के मुख्यमंत्री हेमंत विस्वा शर्मा ने जिस तरह से असम, बिहार और झारखंड में 2 महीने पहले बाढ़ की बात कहकर, चुनाव आयोग राजीव कुमार की बातों को झुठला दिया है। इससे आगे चलकर चुनाव आयोग को जवाब देना मुश्किल होगा। राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव आयोग पर निशाना साधा जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)